सुविचार

हमारी समस्या का हल सिर्फ हमारे पास ही है, दूसरों के पास तो हमारी समस्या का सुझाव है !

RNI : RAJHIN13216/2005

दैनिक
गरीबों का सितारा

।। दशकों पुराना साथ।।

निष्पक्ष कलम — निर्भीक आवाज

"आमजन का अखबार" "जन-जन के विचार"

हर पल अपडेट के लिए Login करें : www.garibonkasitara.com

हमारा ध्येय : निष्पक्ष, निरंतर, निर्भय

वर्ष: 17 | अंक: 346 | पेज: 8 | मूल्य 01 रु. | जयपुर, रविवार 9 जुलाई, 2023 | Email: garibonkasitara@gmail.com

राजस्थान में मोदी बोले-कांग्रेस का मतलब लूट की दुकान

सितारा न्यूज नेटवर्क

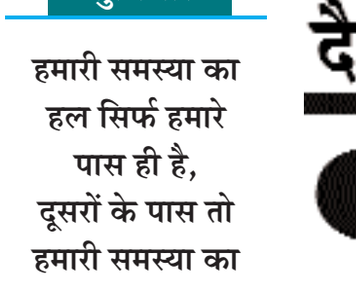

बीकानेर। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बीकानेर नौरंगदेसर गांव की सभा में कहा कि हम दिल्ली से योजनाओं का पैसा भेजते हैं, यहां कांग्रेस का पंजा झपट्टा मार देता है। कांग्रेस सरकार ने चार साल में राजस्थान का बहुत नुकसान किया है और ये बात कांग्रेस के नेता भी अच्छी तरह जानते हैं।

पीएम ने कहा कि कांग्रेस का एक ही मतलब है। लूट की दुकान, झूठ का बाजार। कांग्रेस की झूठ की राजनीति का शिकार सबसे ज्यादा राजस्थान का किसान हुआ है। पिछले चुनावों में किसानों का कर्जा माफ करने का वादा किया था। इनके नेता ने 10 दिन में कर्जा माफ करने की कसम खाई थी। 10 दिन, 10 महीने और आज 4 साल में भी कर्जा माफ हुआ क्या?

मोदी नौरंगदेसर गांव में सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा- यहां मौजूद भीड़ का उत्साह बताता है कि राजस्थान में मौसम का पारा ही नहीं चढ़ा है, बल्कि कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनता का पारा भी चढ़ चुका है। जब जनता का पारा चढ़ता है तो सत्ता की गर्मी चढ़ते और उतरते भी वक्त नहीं लगता है।

पीएम मोदी ने कहा-मुझे पता चला है कि कुछ मंत्री-विधायक तो अभी से अपने सरकारी बंगले खाली करके अपने खुद के घरों में शिफ्ट होने लगे हैं। अपनी हार पर इतना भरोसा सिर्फ कांग्रेस के नेता ही कर सकते हैं। दीया बुझने से पहले लपलपाता है।

मोदी ने कहा- यहां हर कोई एक-दूसरे की टांग खींच रहा है। अपने-अपने झूठ को मजबूत बनाने के लिए खुलेआम सौदेबाजी हो रही है। एक गुट के विधायकों को लूट की खुली छूट मिली हुई है।

अब भ्रष्टाचार की नूरा कुश्ती बाहर हुई, अब लोकतंत्र के अखाड़े में जनता जनार्दन फैसला करेगी। अब राजस्थान को परिवाद नहीं विकासवाद चाहिए। यहां पेपर लीक की पूरी इंडस्ट्री खुल गई है। यानी यहां युवाओं के भविष्य से खुलेआम खिलवाड़ हो रहा है।

कांग्रेस की लूट ने शिक्षा संस्थानों को भी नहीं बख्शा

उन्होंने कहा- राजस्थान में कांग्रेस की लूट ने शिक्षा संस्थानों को भी नहीं बख्शा। यहां के शिक्षक सीएम के सामने आकर कह रहे हैं कि तबादले के लिए खुले में घूस चल रही है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में राजस्थान सबसे आगे हैं। यहां रक्षक ही भक्षक बन रहे हैं। बलात्कार के मामले में राजस्थान नम्बर-1 है, बलात्कारियों को बचाने में पूरी सरकार लगी रहती है।

गहलोत अपने बेटे का भविष्य बचाने में लगे हैं

कांग्रेस ऐसी पार्टी है जो सत्ता में रहती है तो देश को खा-खाकर खोखला करती है। जब सत्ता से बाहर रहती है तो देश को विदेश में जाकर बदनाम करती है। पीएम मोदी ने कहा- सीएम गहलोत अपने बेटे का भविष्य बचाने में लगे हुए हैं। प्रदेश के बेटे-बेटियों से कोई मतलब नहीं हैं। कई मंत्री इसे लेकर उन पर खार खाए हुए हैं। हमारी सेना के जवान इतने सालों से वन रैंक वन पेंशन की मांग कर रहे थे। सालों तक कांग्रेस की सरकार ने उसकी उपेक्षा की। सेना के काम में भी ये लोग झूठ से बाज नहीं आए। हमारी सरकार ने वन रैंक वन पेंशन लागू किया। पूर्व सैनिकों को इसके तहत करीब 65 हजार रुपए मिल रहे हैं।

यहां के रसगुल्ले की मिठास पूरी दुनिया में फेमस

इससे पहले भाषण की शुरूआत में मोदी ने कहा- यहां की बात देश में कही भी सुने मुंह में पानी आ जाता है। यहां के रसगुल्ले की मिठास पूरी दुनिया में फेमस है। मुझे सावन के महीने में आने का सौभाग्य मिला है। इंद्रदेव का आशीर्वाद हम पर बना हुआ है। यह पावन धरा मां करणी की धरती है। सांख्य दर्शन के प्रणेता भगवान कपिल की तपोभूमि है।

अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेस हाईवे की देश को सौगात

इससे पहले पीएम मोदी ने अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेस हाईवे की देश को सौगात दी। मोदी ने इसके साथ ही 24,300 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। मोदी के पहुंचने से पहले वहां बारिश शुरू हो गई थी। मोदी के साथ केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी भी आए थे।इस हाईवे से अमृतसर (पंजाब) से जामनगर (गुजरात) के बीच अब 26 घंटे की बजाय 13 घंटे का समय लगेगा। इसके अलावा अमृतसर से जामनगर के बीच की दूरी भी 1430 किलोमीटर से घटकर 1316 किलोमीटर रह जाएगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा- राजस्थान ने एक्सप्रेस-वे के मामले में डबल सेंचुरी मारी है। इससे पहले दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे की दौसा में सौगात मिल चुकी है। आज अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेस हाईवे की सौगात मिली। राजस्थान में विकास के तेज रफ्तार से बढ़ने की ताकत है। इसलिए हम यहां रिकॉर्ड निवेश कर रहे हैं। यहां औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएं हैं। इसलिए हम यहां कनेक्टिविटी को सुगम बना रहे हैं। यह कॉरिडोर राजस्थान को हरियाणा, पंजाब और जम्मू-कश्मीर से जोड़ेगा।एक तरफ जहां बीकानेर से अमृतसर और जोधपुर की दूरी कम हो जाएगी। वहीं जोधपुर से जालोर की दूरी भी कम हो जाएगी। यह एक्सप्रेस-वे पूरे पश्चिमी भारत को औद्योगिक ताकत देगा। हमने राजस्थान में रेलवे के विकास को भी अपनी प्राथमिकता में रखा है। कनेक्टिविटी और अच्छी होगी तो बीकानेर के कुटीर उद्योग अपने माल को देश के कोने-कोने तक पहुंचा पाएंगे। हमने सीमांत गांवों को देश का पहला गांव घोषित किया, इसलिए इन क्षेत्रों में विकास हो रहा है। पीएम ने कहा- हमने राजस्थान को रेलवे में भी प्राथमिकता देने का काम किया है। साल 2014 से पहले राजस्थान को रेलवे के विकास के लिए औसतन 1000 करोड़ रुपए मिलते थे। अब हम हर साल राजस्थान को औसतन 10 हजार करोड़ रुपए रेलवे के विकास के लिए दे रहे हैं।

पायलट बोले- खड़गे ने कहा, भूलो... माफ करो, आगे बढ़ो

गहलोत उम्र-अनुभव में मुझसे बड़े, मिलकर चुनाव लड़ेंगे

सितारा न्यूज नेटवर्क

नईदिल्ली। राजस्थान कांग्रेस में चल रहे कोल्ड वॉर में अब सियासी सीजफायर हो गया है। सचिन पायलट ने सीएम अशोक गहलोत के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। पायलट ने कहा- सामूहिक नेतृत्व ही चुनाव में आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मुझसे कहा कि भूलो, माफ करो और आगे बढ़ो। जो समय निकल गया, वो आने वाला नहीं है, चुनौतियां हमारे सामने हैं। उनकी बात एक सुझाव भी है, अध्यक्ष के तौर पर निर्देश भी है। खड़गे जी ने जो कहा, उस पर विश्वास करता हूं।

गहलोत उम्र, अनुभव में बड़े, उनके कंधों पर बड़ी जिम्मेदारियां: इंटरव्यू में सीएम अशोक गहलोत से मतभेदों के सवाल पर पायलट ने कहा- अशोक गहलोत जी उम्र में मुझसे बड़े हैं। उनको ज्यादा अनुभव है। उनके कंधों पर बड़ी जिम्मेदारियां हैं। जब मैं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष था तो मैंने कोशिश की थी कि सबको साथ लेकर चलूं। मुझे लगता है कि आज वह मुख्यमंत्री हैं, तो यह कोशिश कर रहे हैं कि सबको साथ लेकर चलें।

बंगाल पंचायत चुनाव में 15 मौतें

सितारा न्यूज नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की 73,887 ग्राम पंचायत सीटों में से 64,874 पर मतदान खत्म हो गया है। बाकी 9,013 सीटों पर उम्मीदवारों को निर्विरोध चुन लिया गया था। निर्विरोध चुने जाने वाले उम्मीदवारों में सबसे ज्यादा 8,874 तृणमूल कांग्रेस से हैं। 3 बजे तक 51% मतदान हुआ है। खत्म होने के बाद का आंकड़ा अभी तक नहीं आया है। चुनाव के नतीजे 11 जुलाई को आएंगे।

सेंट्रल फोर्सेस की तैनाती के बाद भी अलग-अलग इलाकों से हिंसा की खबरें आईं। कई इलाकों से बूथ लूटने, बैलेट पेपर फाड़ने, बैलेट पेपर में आग लगाने की घटनाएं देखी गईं। कूच बिहार के माथभंगा-1 ब्लॉक के हजराहाट गांव में एक युवक बैलेट बॉक्स लेकर भाग गया।साउथ 24 परगना के भांगड़ ब्लॉक के जमीरगाछी में इंडियन सेक्यूलर फ्रंट और TMC कार्यकताओं के बीच झड़प हुई। यहां गांव के लोगों ने बताया कि TMC के लोग थैले में भरकर बम लाए थे। TMC कार्यकर्ता गांव के लोगों को डराकर वोट डलवा रहे थे। उन्होंने इतने बम फेंके कि 2 घंटे तक पोलिंग रुकी रही। कुछ बम मीडियो वालों की तरफ भी फेंके।

शरद पवार बोले- कुछ लोगों पर भरोसा कर गलती की

मुंबई। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (NCP) में फूट के बाद शरद पवार महाराष्ट्र के दौरे पर निकले हैं। शनिवार को उन्होंने नासिक के येवला में जनसभा की। इस दौरान पवार ने कहा- मैंने कुछ लोगों पर भरोसा करके गलती की, वो गलती अब दोहराऊंगा नहीं।नासिक निकलने से पहले पवार ने मीडिया से बातचीत में कहा- वे न तो टायर्ड (थके हुए) हैं और न ही रिटायर्ड हैं। क्या आप जानते हैं कि मोरारजी देसाई किस उम्र में प्रधान मंत्री बने? मैं प्रधानमंत्री या मंत्री नहीं बनना चाहता, सिर्फ लोगों की सेवा करना चाहता हूं।

साख दोनों की मजबूत...

गहलोत के दो लाडले विधायकों में कौन मारेगा बाजी ?

नए जिले डीडवाना-कुचामन जिला मुख्यालय की जगह को लेकर चेतन डूडी और महेंद्र चौधरी में टकराव बरकरार

सितारा न्यूज नेटवर्क

राजनीतिक संवाददाता

जयपुर/नागौर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के दो करीबी विधायकों महेंद्र चौधरी और चेतन ड्यूटी में नए जिले डीडवाना कुचामन के जिला मुख्यालय की जगह के चयन को लेकर उपजा विवाद अभी बरकरार है ' दोनों विधायक अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्र में जिला मुख्यालय स्थापित करने के प्रयासों में जी-जान से जुटे हुए हैं ' इन दोनों विधायकों के बीच ही नहीं बल्कि इन दोनों ही विधायकों के निर्वाचन क्षेत्र के लोगों में भी आपस में जिला मुख्यालय की जगह के चयन को लेकर जोरदार टकराव और मनमुटाव के हालात बने हुए हैं ' दोनों ही निर्वाचन क्षेत्र की पब्लिक अपने दोनों विधायकों पर अपने-अपने इलाकों में जिला मुख्यालय बनाने का दबाव बनाए हुए हैं जिसके फलस्वरूप यह दोनों ही विधायक मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर जोरदार राजनीतिक दबाव बनाए हुए है, हालांकि जिला मुख्यालय की जगह के चयन को लेकर पूर्व में गठित की गई कमेटी की रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है लेकिन जिस तरह की विरोधाभास की स्थिति डीडवाना और कुचामन सिटी पब्लिक में बनी हुई है उसे देखते हुए यह तय है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को खुद इस मामले को आखिरकार निपटाना ही होगा लेकिन इस प्रकरण को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत काफी मुश्किल में पड़े हुए दिख रहे हैं क्योंकि कई सालों से महेंद्र चौधरी की गिनती अशोक गहलोत के काफी विश्वासपात्र और भरोसेमंद कांग्रेस के नेताओं में होती है, गहलोत महेंद्र चौधरी पर आंख मूंदकर विश्वास करते हैं तो दूसरी तरफ वर्ष 2020 में चेतन डूडी ने गहलोत सरकार पर आए संकट को टालने में अपनी अहम भूमिका निभाई इसके बाद चेतन डूडी भी गहलोत के काफी करीब आ गए हैं, डूडी और गहलोत के बीच बहुत अच्छे राजनीतिक संबंध उस समय भी उजागर हुए जब पिछले दिनों सचिन पायलट की ओर से रखी गई तीनों मांगों पर चेतन डूडी ने तथ्यात्मक और जोरदार तरीके से पायलट पर हमला किया और उनकी मांगों को हास्य पद बताया, इतना ही नहीं चेतन डूडी ने पायलट की ओर इशारा करते हुए यह कहकर राजनीतिक हलकों में सनसनी फैला दी कि आपको पता है कि मुझे और मेरे साथियों को कैसे प्रलोभन में फसाया जा रहा था, डूडी का यह बयान वर्ष 2020 में सचिन पायलट की ओर से गहलोत सरकार के खिलाफ उठाए गए कदम के दिनों की याद को ताजा कर रहा था, डूडी के इन बयानों से उन लोगों की जुबान अपने आप ही बंद हो गई थी कि ड्यूटी पायलट ग्रुप से जुड़े हुए हैं, कुल मिलाकर वर्तमान राजनीतिक हालातों में चेतन डूडी ने अशोक गहलोत का एक तरीके से दिल जीत लिया जिसके परिणाम स्वरूप डीडवाना को नया जिला बनाने का ऐलान करके गहलोत ने भी चेतन डूडी के प्रति अपना स्नेह और प्यार जताया लेकिन यहां गहलोत के सामने सबसे बड़ी समस्या जिला मुख्यालय के चयन की जगह को लेकर आकर खड़ी हो गई है, हालांकि गहलोत ने कमेटी का गठन किया है लेकिन अंतिम फैसला गहलोत को ही करना है, अब गहलोत भी यही सोच रहे हैं कि वे इस प्रकरण में डूडी को खुश करें या फिर चौधरी को।

महेंद्र चौधरी

चेतन ड्यूटी

डीडवाना और कुचामन सिटी के लोगों की आपस की लड़ाई का फायदा कहीं कोई 'तीसरा शहर' ना उठा ले

आमतौर पर सार्वजनिक जीवन में यह देखा जाता है कि दो जनों की आपस की लड़ाई का फायदा कोई "तीसरा"उठा लेता है, इस प्रकरण में भी कुछ इसी तरह की परिस्थितियां बनती हुई दिख रही है, जिला मुख्यालय की स्थापना को लेकर डीडवाना और कुचामन सिटी दोनों ही शहर के लोग अपने अपने शहर में करवाने को लेकर आमादा हैं, वैसे डीडवाना और जिला बनाने की मांग वर्ष 1998 से लगातार उठ रही है लेकिन इतने साल बीत जाने के बावजूद डीडवाना को अब जिला बनाया गया, डीडवाना में मिनी सचिवालय भी बनकर तैयार है इसके अलावा संख्या में सरकारी भवन खाली पड़े हैं, संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर जानकार लोग डीडवाना को जिला मुख्यालय के लिए बेहतर जगह मानते हैं लेकिन नावां विधायक महेंद्र चौधरी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की नजदीकियों की वजह से अपने निर्वाचन क्षेत्र नावा के तहत आने वाले कुचामन सिटी में अनेकों विकास काम करवाए हैं इसकी वजह से यह नए कलेवर में नजर आने लगा है, कुचामन सिटी के सामाजिक संगठन व्यापारिक संगठन कुचामन सिटी को जिला मुख्यालय के लिए सबसे उपयुक्त मानते हैं, स्थानीय विधायक महेंद्र चौधरी भी दिल और दिमाग से ख्वाहिश रखते हैं कि उनके निर्वाचन क्षेत्र में ही जिला मुख्यालय बने, उधर डीडवाना विधायक चेतन डूडी का तर्क है कि डीडवाना को नया जिला बनाने की मांग कई दशकों से हो रही है इसलिए जिला मुख्यालय की स्थापना डीडवाना में ही हो वजह से अशोक गहलोत धर्म संकट में फंस गए हैं, अब कहा जा रहा है कि चेतन डूडी और महेंद्र चौधरी दोनों को विश्वास में लेने के लिए हो सकता है डीडवाना और कुचामन सिटी के मध्य में स्थित मौलासर कस्बे को जिला मुख्यालय बना दिया जाए, अगर ऐसा हो जाता है तो फिर डीडवाना और कुचामन सिटी के नागरिकों को सिर्फ अपने सीने पर हाथ रखने के अलावा और कोई विकल्प नहीं बचेगा दूसरी तरफ मौलासर वालों की लॉटरी खुल जाएगी।

पूर्वानुमान> 25°

	रवि	सोम	मंगल	बुध
अधिकतम>	33°c	32°c	30°c	29°c
न्यूनतम>	26°c	26°c	26°c	26°c

‘राजस्थान आवासन मंडल’ खोलेगा द्वार, मिलेगा अब युवाओं को रोजगार...

तैयारियां पूर्ण : भारत सरकार की संस्था सी-डैक कराएगी भर्ती परीक्षा, पूर्ण पारदर्शी तरीके से होगी भर्ती

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। प्रदेश के युवाओं के लिए राजस्थान आवासन मंडल ने बड़ी खुशखबरी दी है। मंडल विभिन्न संवर्गों के 311 पदों के लिए जल्द ही भर्ती निकालेगा। यह परीक्षा भारत की अर्धसरकारी सॉफ्टवेयर कम्पनी सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कम्प्यूटिंग (सी-डैक) कराएगी। गौरतलब है कि सी-डैक इंडियन नेवी और एयरफोर्स की परीक्षाओं के संचालन के लिए जानी जाती है। आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने बताया कि मंडल में कई दशकों के बाद इतनी बड़ी भर्ती का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह मंडल ने भवन निर्माण सहित अन्य क्षेत्रों में कीर्तिमान कायम किए हैं उसी तरह पूर्ण पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ परीक्षा संचालित होंगी।

3 घंटे में करने होंगे 150 प्रश्न, नेगेटिव मार्किंग भी होगी

अरोड़ा ने बताया कि 3 घंटे में होने वाली ऑनलाइन परीक्षा में 150 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमे से 60 सामान्य ज्ञान और 90 परीक्षा विशेष से जुड़ी तकनीकी जानकारी पर आधारित होंगे। उन्होंने बताया कि प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का होगा। सभी प्रश्न मल्टीचॉइस होंगे और नेगेटिव मार्किंग भी होगी। पात्रता और सिलेबस कर्मचारी चयन बोर्ड के अनुसार ही निर्धारित किया गया है। राजस्थान के 11 शहरों में लगभग 100 सेन्टर्स पर ऑनलाइन माध्यम से भर्ती करवाये जाने की तैयारी की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि मंडल जल्द ही समाचार पत्रों में विस्तृत विज्ञप्ति जारी करेगा।

राजस्थान आवासन मंडल में 311 पदों पर होंगी भर्तियां

राजस्थान आवासन मण्डल

जल्द मिलेगी जानकारी : विस्तृत विज्ञप्ति जल्द समाचार पत्रों में होगी प्रकाशित

53 राजपत्रित और 258 अराजपत्रित पदों पर होगी भर्ती

आयुक्त ने बताया कि प्रोग्रामर पद के लिए 1, परियोजना अभियन्ता (वरिष्ठ) (सिविल) के 48 और नगर नियोजन सहायक या वास्तुविद् सहायक के 4 राजपत्रित पदों के लिए आरपीएससी भर्ती कराएगा। जबकि कम्प्यूटर ऑपरेटर (सहायक प्रोग्रामर (एल-10) के 6, डाटा एन्ट्री ऑपरेटर (सूचना सहायक) के 18, परियोजना अभियन्ता (कनिष्ठ) (सिविल) के 100, परियोजना अभियन्ता (कनिष्ठ) (विद्युत) के 11, वरिष्ठ प्रारूपकार के 4, कनिष्ठ प्रारूपकार 10, विधि सहायक (कनिष्ठ विधि अधिकारी) 9, कनिष्ठ लेखाकार के 50 और कनिष्ठ सहायक के 50 अराजपत्रित पदों के लिए सी डैक भर्ती कराएगा।

कर्मचारी चयन बोर्ड और एमएनआईटी की असमर्थता के बाद दिया सी-डैक को मौका

उल्लेखनीय है कि मंडल ने 258 अराजपत्रित पदों के लिए राजस्थान राज्य कर्मचारी चयन बोर्ड और मालवीय राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान सहित अन्य संस्थाओं को भी भर्ती की कार्यवाही के लिए निवेदन किया था, लेकिन सभी ने अत्यधिक व्यस्तता के चलते भर्ती करने असमर्थता जाहिर की थी। उसके बाद राजकीय या केन्द्रीय सरकार की एजेन्सियों से सीधी भर्ती के 258 पदों पर भर्ती करवाये जाने बाबत ईओआई जारी की गयी। निर्धारित समयावधि तक विभिन्न एजेन्सियों से प्राप्त प्रस्तावों में से सी-डैक के प्रस्ताव मण्डल द्वारा निर्धारित मापदण्ड के अनुरूप रहे हैं।

नेवी, एयरफोर्स, एयरपोर्ट से जुड़ी भर्ती करती है सी-डैक

गौरतलब है कि सी डैक भारत सरकार के सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन एक मात्र ऐसी स्वायत्तशासी संस्था हैं, जो स्वयं परीक्षा सॉफ्टवेयर तैयार एवं डवलप करती हैं, इनका परीक्षा सॉफ्टवेयर खासा विश्वसनीय माना जाता रहा है। विगत 7 वर्षों में सी डैक ने भारतीय विमानपत्तन, इन्डियन नेवी, कोस्ट गार्ड, अग्निवीर और तमिलनाडु पावर एनर्जी आदि में भी भर्ती करवायी है। सी-डैक द्वारा विगत 5 वर्षों में लगभग 50 परीक्षाएं आयोजित कर लगभग 70 लाख अभ्यर्थियों की परीक्षा ली गई हैं। संस्था द्वारा सम्पन्न करवायी गयी भर्तियों में अब तक कोई भी न्यायिक वाद दायर नहीं हुआ है।

पंचाग

दिनांक: 09जुलाई 2023 रविवार
विक्रम संवत2080 श्रावन कृष्ण पक्ष

तिथि	सप्तमी	19:59:01
पक्ष	कृष्ण	
नक्षत्र	उत्तरभाद्रपदा	19:28:13
योग	शोभन	14:41:48
करण	विष्टि भद्र	08:50:28
करण	बव	19:59:01
चन्द्र राशि	मीन	
सूर्य राशि	मिथुन	
दिशा शूल पूर्व		
सूर्योदय(जयपुर)	05:40:52	
सूर्यास्त	19:23:06	
चंद्रोदय	24:00:59	
चंद्रास्त	11:47:14	
राहू काल	17:40 - 19:23	
अभिजित	12:04 - 12:59	

शुभ चोघडिया

चर	07:24 - 09:06	शुभ
लाभ	09:06 - 10:49	शुभ
अमृत	10:49 - 12:32	शुभ
शुभ	14:15 - 15:58	शुभ

विशेष जानकारी:- पंचक प्रारम्भ

ज्योतिषाचार्य भानुप्रकाश शास्त्री

पोस्टर वार पर रार...

अलवर ग्रामीण से पूर्व विधायक जयराम जाटव व उनकी पुत्री आमने-सामने

भांजे ने मामा की गिरफ्तारी के लिए कराई एफआईआर

VS

सितारा न्यूज नेटवर्क

अलवर/युवराज शर्मा। पोस्टर वार पर छिड़ी रार अलवर ग्रामीण विधानसभा से पूर्व विधायक जयराम जाटव के पुत्र की गिरफ्तारी की मांग की। जाटव के दोहिते ने मालाखेड़ा थाने में दर्ज कराया मामला। नवासे विशाल का अपनी मां मीना जाटव के अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी के होर्डिंग लगाने को लेकर मामा भांजे में कल विवाद हुआ था। जयराम जाटव के बेटे विजेंद्र व उनके कुछ साथियों के खिलाफ हुआ है मामला दर्ज। पुलिस मामले की जांच में जुटी पुलिस में दर्ज एफआईआर के अनुसार रेलवे स्टेशन पर रेलवे कुवाटर्स में रहने वाले विशाल पुत्र तारा चंद ने मालाखेडा थाने पर रिर्पोट दर्ज कराई थी कि उसकी मम्मी मीना कुमारी अलवर ग्रामीण विधानसभा सीट से प्रत्याशी है और वह चुनाव लडने जा रही है इसी क्रम में वह होर्डिंग्स लगावाने वालो के साथ मालाखेडा के श्याम गंगा चौराहे पर पोस्टर लगाने गया तो उसका मामा वीजेन्द्र जाटव पुत्र जयराम जाटव वहा अपने साथियों के साथ आया और मारपीट की एवं गर्दन मरोडने को कहा साथ ही कहा कि तीन साल पहले भी मेने तुझे पिटवाया था तब तो बच गया अब नही बचेगा

पुलिस ने इस मामले को धारा 323,341,504,506 के तहत दर्ज कर मामले की जांच सहायक उप निरीक्षक जगदीश प्रसाद मीना को सौंप दी है इधर, पुलिस भी जांच में जुटी है।

खनन से भरे ट्रोले ने मारी मिनी ट्रक को टक्कर, 5 वाहनों में हुई भिड़ंत

सितारा न्यूज नेटवर्क

वी.पी.मीणा /बहरोड। कस्बे के जागुवास चौक पर शनिवार को सुबह करीब 8 बजे के लगभग जयपुर की तरफ से आ रहे रोड़ी से भरे ट्रक ने आगे खड़े मिनी ट्रक को टक्कर मार दी। दोनों ट्रकों की टक्कर से मिनी ट्रक के आगे खड़े दो अन्य मिनी ट्रक और एक कार भी चपेट में आ गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मिनी ट्रक का केबिन कबाड़ में बदल गया। ड्यूटी ऑफिसर एएसआई सुरताराम चौधरी ने बताया कि हाईवे पर हादसे की सूचना मिली तो मौके पर टीम के साथ पहुंचे। ट्रक ने मिनी ट्रक को टक्कर मारी थी। जिसके बाद पांच वाहन टकरा गए। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। मिनी ट्रक के ड्राइवर को बहरोड़ के राजकीय अस्पताल भेजा गया। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को क्रेन से हटाकर हाईवे पर यातायात सुचारू करवाया। पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को क्रेन की सहायता से हटाकर यातायात को सुचारु करवाया। हादसे में घायल हुए मिनी ट्रक चालक 32 वर्षीय कुंदन सिंह ने बताया कि वह जयपुर से प्लास्टिक की बोतल के ढक्कन भरकर हरियाणा के गुरुग्राम में जा रहा था। हाईवे के जागुवास चौक पर क्रॉसिंग के दौरान वाहनों को रोका हुआ था। कुंदन का ट्रक सबसे पीछे खड़ा था। इस दौरान रोड़ी से भरा ट्रक तेज गति से आया और मिनी ट्रक को टक्कर मारी दी। हादसे के बाद हाईवे पर वाहनों का लंबा जाम लग गया।

पौन घंटे तक अंदर फंसा रहा चालक

हादसे के बाद मिनी ट्रक का चालक करीब पौन घंटे केबिन में फंसा रहा। जिसके बाद आसपास के लोगों मे हादसे के बाद पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मौके पर क्रेन बुला कर ट्रक में फंसे चालक को बाहर निकालकर निजी अस्पताल में भर्ती करवाया। हादसे में चालक का हाथ फैक्चर हो गया। ड्राइवर कुंदन सिंह ओखला दिल्ली का रहने वाला है।

जनकपुरी विस्तार में सड़कों की दुर्दशा से मोहल्ले वासी हुए परेशान

सितारा न्यूज नेटवर्क

ब्यावर (अनिल सिखवाल)। वैसे देखा जाए तो भले ही ब्यावर शहर को जिला घोषित कर दिया गया है, लेकिन उक्त शहर की सड़कों के खसते हालात किसी से छुपा नहीं है । मानसूनी बारिश ने सड़क व्यवस्था की हकीकत भी उजागर कर दी साथ ही सीवरेज वालो के कार्यों की वास्तविकता भी सामने आने लगी है । प्राप्त जानकारी के अनुसार उदयपुर रोड स्थित जनकपुरी विस्तार के मोहल्ले वासी शुक्रवार को हुई मानसूनी बारिश और इधर सीवरेज के लोगों की कार्यप्रणाली काफी खफा दिखे जनकपुरी विस्तार के मोहल्ले वासियों का कहना है कि सीवरेज के कारण गली में खड्डे खोद दिए गए हैं लेकिन उन्हें सही ढंग से सुधारा नहीं गया । यदि रोलर चल जाता तो कम से कम दुपहिया वाहन चालक घायल तो नहीं होते, शुक्रवार को हुई बारिश के बाद मोहल्ले के कई लोग फिसलकर घायल हो चुके है । यदि समय रहते उक्त समस्या को दुरस्त नहीं किया गया तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है ।

नुक्कड़ नाटक से किया जागरूक, प्लास्टिक कैरी बैग के बताए दुष्परिणाम

सितारा न्यूज नेटवर्क

वी.पी.मीणा /बहरोड़। कस्बे के मुख्य मार्ग पर शनिवार को सेंट जेवियर स्कूल के एनसीसी कैडेट्स ने प्लास्टिक के कैरी बैग पर रोक लगाने और जूट के बैग का उपयोग करने का संदेश दिया। एनसीसी प्रभारी पूजा यादव ने बताया कि नो टू प्लास्टिक कार्यक्रम के तहत एनसीसी कैडेट्स ने पुलिस थाने के पास एक नुक्कड़ नाटक के कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें लोगों को प्लास्टिक पॉलिथीन के उपयोग करने के बाद उसे फेंक जाने का उसका दुष्प्रभाव बताए गए। इस दौरान उन्होंने 500 कैरी बैग का भी वितरण किया। साथ ही बताया कि पर्यावरण को होने वाले दुष्प्रभाव की विस्तार से जानकारी दी। वहीं जुट के बैक का उपयोग करने और उपयोग के बाद उसका सदुपयोग करने की जानकारी दी। कहा कि प्लास्टिक कैरी बैग का उपयोग हम एक बार करते हैं। लेकिन उसे फेंकने के बाद वही प्लास्टिक हमारे नाले और नालियों को जाम कर देती है। आवारा पशुओं से खा लेते हैं। जिसके बाद उसके शरीर में विभिन्न प्रकार की बीमारियां पैदा हो जाती है। ऐसे में प्लास्टिक का उपयोग ना कर जुट से बने कैरी बैग का उपयोग करें। ताकि पर्यावरण संतुलित होने के साथ-साथ उनसे होने वाली हानि से भी दूर रह जा सकता है। एनसीसी कैडेट्स नकुल, सपना, शिक्षा, हिमांशी, गौरव, वरुण, लक्ष्य यादव एवं सीरियल नंदिनी सहित अन्य मौजूद थे।

रैणी बैरवा विकास समिति अध्यक्ष का चुनाव आज

सितारा न्यूज नेटवर्क

रैणी(अलवर)महेश चन्द मीना । अलवर के रैणी-उपखंड क्षेत्र केसभी बैरवा बंधुओ को सूचित किया जाता है कि बैरवा विकास समिति के अध्यक्ष पद का चुनाव आज दिनांक 09 जुलाई 2023 रविवार को प्रातः 9:00 बजे से ग्राम परबैणी (रामजीलाल बैरवा की ढाणी) पाली रोड़ पर होगा। अतः आप सभी बैरवा बन्धुओं से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधार कर बैरवा समाज के संगठन को मजबूत बनाने की कृपा करे। यह खबर दिनेश बोहरा के द्वारा गंगाराम बैरवा (पूर्व अध्यक्ष) की सहमति से दी गई है। मिडिया को यह सारी खबर दिनेश कुमार बोहरा(बैरवा) के द्वारा दी गई है।

मतदाताओं को किया जागरूक...

किया संबोधित : मत है अधिकार, न जाए बेकार

वेलकम आईटीआई में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। हाथोज क्षेत्र के वेलकम निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में शनिवार को मतदाता जागरूक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 17वर्षीय अधिक के युवाओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने तथा अन्य कोई भी संशोधन जैसे नाम, मोबाइल नंबर आदि के बारे में जागरूक किया। इस मौके पर जिम्मेदारों ने कहा कि देश तरक्की तभी करेगा, हर वोटर जब वोट करेगा, सारे काम छोड़ दो, सबसे पहले वोट दो जैसे नारे लगाए गए। शत प्रतिशत मतदान करने के लिए छात्र-छात्राओं से बढ़ चढ़ कर मतदान करने के लिए जागरूक किया। इस कार्यक्रम में बीएलओ ब्रजमोहन, मधु मेम, रामावतार, रामप्रसाद, राकेश व प्रहलाद आदि ने विद्यार्थियों को स्वयं अपने मोबाइल से मतदाता कार्ड के आवेदन व संशोधन करने के बारे में बताया। इस कार्यक्रम में संस्थान के सह निदेशक भागीरथ चौधरी, अनुदेशक राजेश कुमार यादव, रमेश कुमार जाट, श्रवण लाल यादव व हनुमान जाट आदि उपस्थित रहे।

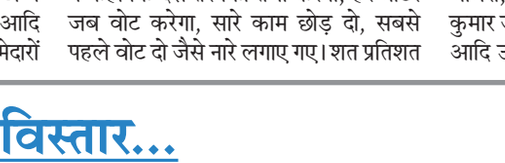

शिक्षा का हुआ विस्तार...

विधायक अवाना ने महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम का किया लोकार्पण

अकेले नदबई क्षेत्र में करीब 23 स्कूल अंग्रेजी माध्यम में क्रमोन्नति हुई आगे भी जारी रहेगा

विधायक जोगिंदर सिंह अवाना जनता के बीच हुए रूबरू, सुनी जन समस्याएं

सितारा न्यूज नेटवर्क

नदबई। नदबई विधायक जोगिंदर सिंह अवाना आज नदबई दौरे पर रहे। जहां विधायक अवाना ने क्षेत्र के गांव बुढ़वारी खुर्द के स्कूल को अंग्रेजी माध्यम में परिवर्तित करवाया है। जिसका विधायक ने लोकार्पण किया है। विधायक द्वारा स्कूल प्रांगण में पहुंच कर सरस्वती मां की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। उसके बाद ग्रामीणों ने विधायक का माला, साफा पहना कर स्वागत किया। वही विधायक ने शिला पट्टिका द्वारा स्कूल का लोकार्पण किया। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री ने पूरे प्रदेश में बड़ी संख्या में राजकीय विद्यालयों को महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम में परिवर्तित किया है। उन्हीं में पूरी नदबई विधानसभा के 23 स्कूल परिवर्तित किये है और अभी इनकी संख्या और बढ़ेगी। शिक्षा के क्षेत्र में नदबई विधानसभा को कई बड़ी बड़ी सौगात मिली है। अंग्रेजी माध्यम स्कूल के साथ साथ कई स्कूल क्रमोन्नत हुए हैं। नदबई को देवनारायण छात्रावास और कन्या महाविद्यालय की सौगात मिली है। जिसमें देवनारायण छात्रावास का कार्य 2 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत से तेज गति के साथ चल रहा है और कन्या महाविद्यालय के लिए 4 करोड़ 50 लाख रुपए की भवन के लिए स्वीकृत हो चुके है जल्द ही इसका कार्य भी चालू हो जायेगा। इसके बाद विधायक ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और मौके पर उपस्थित अधिकारियों को समस्या समाधान के निर्देश दिए।

ये रहे मौजूद: इस मौके पर सीबीईओ मुकुट सिंह, प्रिंसिपल संजू , नदबई ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हर स्वरूप शर्मा, प्रताप, रघुवीर बुचाका ,रणधीर खटोटी, हरिओम सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सितारा न्यूज ब्रीफ

प्रवेशोत्सव के लिए निकाली रैली

सितारा न्यूज नेटवर्क

हिंगोनियां/शंकरलाल कुमावत। कस्बे की राजकीय बालिका उच्च माध्यिमिक विद्यालय हिंगोनियां में नामांकन वृद्धि के लिए प्रवेश रैली निकाली। प्रधानाचार्य राजेन्द्र कुमार ने बताया कि सरकार के आदेशानुसार नामांकन वृद्धि के लिए कस्बे के मुख्य मार्गो से होते हुए डीजे की धुन के साथ रैली निकाली गई। इस मौके पर सरपंच सहित कई जनप्रतिनिधि एवं शिक्षाविद भी मौजूद रहे।

स्वच्छ सर्किल शहर के सौंदर्य का प्रतीक

सितारा न्यूज नेटवर्क

ब्यावर(अनिल सिखवाल)। वैसे देखा जाए तो किसी भी शहर की सुंदरता अथवा सौंदर्यता के प्रतीक उस शहर के सर्किल होते हैं उसी को मध्य नजर रखते हुए। मारू सेन समाज पंचायत बोर्ड संस्था एवं सेन समाज संस्थान एसोसियेशन के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार को उदयपुर रोड स्थित कृषि मंडी के नजदीक है, सेन सर्किल की साफ सफाई की गई उक्त अवसर पर मीडिया प्रभारी दिलीप बडगुर्जर ने बताया के सेन सर्किल पर साफ-सफाई कर सर्किल को अच्छे से धोया गया एवं सर्किल के आस पास से सारा कचरा साफ किया गया एवं स्वच्छ ब्यावर स्वस्थ ब्यावर का संदेश दिया गया एसोसिएशन अध्यक्ष गोपाल छापरवाल,नवयुवक अध्यक्ष कपिल गहलोत,महावीर मेवाड़ा,राकेश छापरवाल,संपत बणभेरू,राकेश बणभेरू,पिंटू हर्षवाल,गोतम तंवर,अर्जुन परिहार,अनिल परिहार,हिमांशु रूनीवाल एवं मंजू मेवाड़ा सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

राजस्थान आंचलिक महाविद्यालय में किया गया नए सत्र का शुभारंभ

छात्राओं के उज्जवल भविष्य की हुई कामना

सितारा न्यूज नेटवर्क

सांवर मल शर्मा/आसींद। 8 जुलाई राजस्थान आंचलिक महाविद्यालय में नए सत्र का शुभारंभ अंतर्राष्ट्रीय तीर्थ स्थल सवाई भोज के महंत सुरेश दास महाराज के सानिध्य में शनिवार प्रातः किया गया। इस अवसर पर महंत सुरेश दास महाराज ने छात्र छात्राओं को आशीर्वाद देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की उच्च शिक्षा के महत्व को समझाते हुए कहां की मानव जीवन में शिक्षा और ज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका है। इनका कोई विकल्प नहीं है, इस मौके पर प्राचार्य संत कुमार बंसल निदेशक डीके गुप्ता ने महंत का आभार व्यक्त किया और विश्वास दिलाया कि भविष्य में भी महाविद्यालय उनके बताए मार्ग पर उन्नति की ओर अग्रसर रहेगा मौके पर रामचंद्र पायलट शिक्षक गण छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ ओला का मनाया जन्मदिन, लगाए पौधे

सितारा न्यूज नेटवर्क

रींगस(अरविन्द कुमार)। रींगस कस्बे के धायल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में सेवारत हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ रामलाल ओला का जन्म दिवस बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया जिसमें अस्पताल प्रशासन द्वारा पौधे लगाकर सार संभाल करने की जिम्मेदारी ली गई। डॉ रामलाल ओला ने बताया कि पिछले 2 साल में क्षेत्र के पांच हजार से अधिक हृदय रोगियों को जयपुर जैसी सुविधा देकर इलाज किया गया वही पिछले 2 सालों में करीब पांच सौ मरीजों की सफलतापूर्वक एंजियोग्राफी की गई। धायल हॉस्पिटल के प्रबंधक डॉ एचएस धायल ने बताया कि कार्डियोलॉजिस्ट डॉ ओला रींगस कस्बे सहित ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों के लिए 24 घंटे सेवा देने के लिए तत्पर रहते हैं और हृदय संबंधी सभी बीमारियों का इलाज करते हैं। अस्पताल स्टाफ द्वारा हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ ओला के दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की गई। इस दौरान सीईओ सुनील धायल, डॉ मालीराम, डॉ शिखा बंसल, डॉ सुरेश नागर, डॉ जितेंद्र, नर्सिंग स्टाफ चरण सिंह, आकाश शर्मा, ईडी इंचार्ज अवतार यादव, कैथ लैब इंचार्ज महेश मील आदि मौजूद थे।

शांतिभंग में नौ युवक गिरफ्तार

रींगस(अरविन्द कुमार)। रींगस पुलिस द्वारा नेशनल हाईवे 52 पर ठिकरिया स्थित होटल रॉक लैंड के सामने फार्म हाउस की चारदीवारी की रिपेयरिंग कर रहे फार्म हाउस के मालिक व कारीगरों को धमकाने के मामले में 9 जनों को शांतिभंग में गिरफ्तार किया गया। एएसआई राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि फार्म हाउस की दीवार बारिश की वजह से क्षतिग्रस्त होने के बाद कारीगरों द्वारा रिपेयरिंग की जा रही थी इसी दौरान दो गाड़ियों में सवार होकर आए युवकों द्वारा फार्म हाउस के मालिक रिछपाल खर्रा व रिपेयरिंग कर रहे कारीगरों को धमकाने के मामले में हरि पुत्र गोपाल जाट निवासी इटावा भोपजी, विनोद पुत्र ओंकार मीणा निवासी जोरावरनगर, मुकेश पुत्र रघुनाथ जाट निवासी उदयपुरिया, मनोज पुत्र छीतरमल यादव निवासी बरवाड़ा, राजेश पुत्र सुरेश पंचोली निवासी कुशलपुरा बांसा, राजकुमार पुत्र बंशीलाल चौधरी निवासी इटावा भोपजी, राजेश पुत्र अर्जुन लाल जाट निवासी किशनपुरा सहित नौ जनों को शांति भंग में गिरफ्तार कर स्कार्पियो व वरना कार जब्त की गई।

डॉक्टर पर लगाया लापरवाही का आरोप

जैम्स गैस्ट्रो हॉस्पिटल में महिला की हुई मौत,परिजनों ने किया हंगामा

परिजनों ने हंगामा कर सड़क पर लगाया जाम, परिजनों ने हॉस्पिटल में शव रखकर किया विरोध प्रदर्शन

सितारा न्यूज नेटवर्क

चौमूं (सुनील कुमार पाराशर)। शहर के एनएच 11जयपुर रोड़ स्थित जैम्स गैस्ट्रो हॉस्पिटल में शनिवार शाम एक विवाहिता की उपचार के दौरान मौत हो गई। महिला की मौत के बाद परिजनों ने हॉस्पिटल में हंगामा खड़ा कर दिया व अस्पताल प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया । महिला की मौत की खबर सुनकर सैकड़ों की संख्या में मृतका के परिजन व ग्रामीण लोग हॉस्पिटल में एकत्रित हो गए और डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल के बाहर नारेबाजी करने लगे। वही अस्पताल के बाहर मुख्य सड़क पर भी ग्रामीणों ने जाम कर दिया व हॉस्पिटल प्रशासन पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग करने लगे। घटना की सूचना मिलने पर चौमूं थाना पुलिस मौके पर पहुंची व ग्रामीणों से समझाइश का प्रयास किया लेकिन परिजन डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग पर अड़े गए। भूरावाली फाटक बिहारीपुरा निवासी मृतका के भाई रामकिशोर ने बताया गीता देवी (30) पत्नी प्रहलाद सोढ़ निवासी ईशरवाला चौंप आमेर को पथरी के इलाज के लिए 6 जुलाई गुरुवार को हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था। लेकिन आज शनिवार शाम अचानक तबीयत बिगड़ी और महिला की मौत हो गई ।

महिला की मौत के बाद आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल के बाहर हंगामा कर दिया और अस्पताल प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। वहीं घटना के बाद हॉस्पिटल के डॉक्टर गणेश अग्रवाल व अस्पताल स्टाफ मौके से फरार हो गया। वहीं सड़क पर जाम लगने से वाहनों की लंबी लंबी कतारें लग गई। घटना की सूचना मिलने पर चौमूं एसीपी राजेंद्र सिंह निर्वाण भी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी कर आक्रोशित परिजनों से समझाइश की लेकिन आक्रोशित परिजन नहीं माने। इधर परिजनों ने हॉस्पिटल के बाहर शव को रखकर प्रदर्शन करना शुरू कर दिया है। साथ ही परिजनों ने हॉस्पिटल के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

राजपुर छोटा सरकारी सीनियर स्कूल में समसा द्वारा निर्मित चार नए कक्षों का किया लोकार्पण

सितारा न्यूज नेटवर्क

रैणी(अलवर)महेश चन्द मीना। अलवर के रैणी उपखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत राजपुर छोटा मुख्यालय पर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विज्ञान लैब , कंप्यूटर कक्ष (लैब), लाइब्रेरी , आर्ट्स एंड क्राफ्ट के चार कक्षों का लोकार्पण स्थानीय विधायक जौहरीलाल मीना के द्वारा तथा रैणी प्रधान प्रतिनिधी मांगेलाल मीना (रिटायर्ड चीफ इंजीनियर) एवं स्थानीय सरपंच बिशन लाल बैरवा व मण्डल सदस्य नरेश बैरवा के सानिध्य मे किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक जोहरी लाल मीणा तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर रैणी प्रधान प्रतिनिधि मांगेलाल मीणा (रिटायर्ड चीफ इंजीनियर) रहे । इन सभी ने फीता काटकर स्कूल कक्षों का लोकार्पण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय

सरपंच बिशनलाल बैरवा व पंचायत समिति सदस्य नरेश कुमार बैरवा ने की। इस दौरान आए हुए सभी अतिथियों का गांव के पंच पटेल व स्थानीय गणमान्य नागरिको ने साफा बांधकर व फूल मालाओं स्वागत-सत्कार किया। इस कार्यक्रम के दौरान सरपंच बिशनलाल बैरवा , मंडल सदस्य नरेश कुमार बैरवा , रैणी एसीबीईओ रामस्वरूप मीना , स्थानीय प्रधानाचार्य धर्मेन्द्र कुमार , पाटन को ऑपरेटिव व्यवस्थापक संजय शर्मा व ग्राम विकास अधिकारी घनश्याम शर्मा , एल डी सी राजेंद्र प्रसाद मीणा व स्कूल का समस्त स्टाफ एवं सभी विधार्थियो सहित समस्त ग्राम पंचायत प्रशासन सहित अनेक गणमान्य ग्रामीण नागरिक मौजूद रहे। मिडिया को यह सारी जानकारी स्थानीय सरपंच बिशन लाल बैरवा के द्वारा व स्थानीय प्रधानाचार्य धर्मेन्द्र कुमार के द्वारा दी गई।

वर्द्धमान कन्या कॉलेज की छात्राएं कम्प्यूटर में भी अव्वल

सितारा न्यूज नेटवर्क

ब्यावर (अनिल सिखवाल)। वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित वर्द्धमान कन्या पी जी महाविद्यालय, की छात्राएं बैचलर ऑफ कम्प्यूटर (बी सी ए) में भी अव्वल रही है। महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर द्वारा घोषित परिणाम के अनुसार बी सी ए के अन्तिम वर्ष में श्रुति जैन ने 88.78 प्रतिशत अंक हासिल करके प्रथम रेंक प्राप्त किया है व द्वितीय रेंक चारु जैन (87.57 %) एवं तृतीय रेंक दिव्या परिहार (84.07 %) की रही । बीसीए के द्वितीय वर्ष में महक परिहार ने 83.11 प्रतिशत अंक हासिल करके प्रथम रेंक प्राप्त किया है व द्वितीय रेंक महक सिंघल (82.44 %) एवं तृतीय रेंक काजल डोसी (82.22 %) की रही । बी सी ए के प्रथम वर्ष में दीपांजलि शर्मा ने 84 प्रतिशत अंक हासिल करके प्रथम रेंक प्राप्त किया है व द्वितीय रेंक श्रेया सरावगी (83.33 %) एवं तृतीय रेंक महिमा गहलोत (82.44 %) की रही ।वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डा नरेन्द्र पारख एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डा आर. सी. लोढ़ा,अकादमिक प्रभारी नीलम लोढ़ा ने छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कर विभागाध्यक्ष नवीन देवड़ा एवम समस्त संकाय सदस्यों को प्रदेश स्तर पर वर्द्धमान बी. सी. ए. टीम को पहचान बनाने पर शुभकामनाएं प्रेषित की है ।

जनसंवाद में उमड़ा जन सैलाब, वर्तमान विधायक की कार्यशैली पर साधा निशाना

भारी संख्या में नजर आया बलवान का बल

वी.पी.मीणा /बहरोड़। क्षेत्र के कुंड रोड ग्रीन चौक के पास मिलकपुर में शनिवार को विधानसभा क्षेत्र के गुगडिया, बसई, खोहर, बनेसिंहपुरा, शिवदानसिंहपुरा, मंगनी की ढाणी, डवानी, भूपखेड़ा, बुढवाल , गंडाला, कालियाहोड़ा, भीटेडा, चांदीचाना, बीघाना, माचंल, मिलकपुर, खातनखेड़ा, सौरवा, रामसिंहपुरा, मावडी, नांगलखोडिया, नारेड़ाकलां एवं रिवाली के युवाओं व बुजुर्गों के साथ बलवान सिंह यादव ने जनसंवाद किया । अपने उद्बोधन में कहा की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 9 साल बेमिसाल है। मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत के बढ़ते हुए कद को पूरा विश्व देख रहा है।और नरेंद्र मोदी वाली केंद्र सरकार की जनकल्याण कारी योजनाओ तथा विकास कार्यो के बारे मे सभी को अवगत कराया है।उपस्थित युवाओं के लिए कहा कि युवा ही देश और समाज को नए शिखर पर ले जाते हैं। यह देखा जा सकता है कि हमारे राष्ट्र के लिए कई परिवर्तन, विकास, समृद्धि और सम्मान लाने में युवा सक्रिय रूप से शामिल हुए हैं।बहरोड़ विधानसभा की चर्चा करते हुए कहा कि आज जो माहौल विधानसभा में बन रहा है। वह किसी भी आमजन के लिए सही नहीं है, आगामी आने वाले विधानसभा चुनाव में अगर भारतीय जनता पार्टी एवं बहरोड़ की जनता जनार्दन ने आशीर्वाद दिया तो भरपूर जनता की सेवा और विकास कार्यों की गति को रफ्तार देंगे। और कहा कि इस बार हम सब मिलकर बनाएंगे नया बहरोड़ हमेशा अपने क्षेत्र के लिए काम किया है और काम करेंगे। इस दौरान सरपंच जगराम, सरपंच कंवर सिंह, संजीव सरपंच, पूर्व सरपंच पुरुषोत्त, महावीर, रामसिंह यादव, कृष्ण मीणा सहित सैकड़ों महिला पुरुष मौजूद रहे।

कपिल खंडेलवाल ने बेसहारा लोगो की सेवा में समर्पित किया जीवन

कपिल खंडेलवाल

मंदबुद्धि व्यक्ति

वी.पी. मीणा / बहरोड़ । कस्बे निवासी सामाजिक कार्यकर्ता कपिल खंडेलवाल ने शनिवार को लावारिस मंदबुद्धि व्यक्ति को बो सु ध अवस्था में घूमते हुए देखने पर उसे अपने पास बैठाकर अपना घर आश्रम भरतपुर से संपर्क कर एंबुलेंस की सहायता से सुरक्षित भरतपुर भिजवाया । जिससे व्यक्ति अपने सुरक्षित स्थान पर पहुँचा ।गौरतलब है कि खंडेलवाल पिछले लंबे समय से सामाजिक मंच नामक व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर कस्बे सहित आसपास क्षेत्र में बेसहारा व बेसुध लोगों की सेवा कर रहा है। जिसे अपना घर आश्रम भरतपुर में पहुंचाने में सहयोग कर रहा है। जानकारी के अनुसार खंडेलवाल ने अब तक दर्जन भर से भी अधिक बेसहारा लोगों को अपना घर आश्रम भर तपुर तक सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया है। इसके अ ला वा खंडेलवाल पर्यावरण प्रेमी है। अब तक उन्होंने क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर लाखों पौधे लगाए हैं। जो पर्यावरण सुरक्षा में अपना योगदान दे रहे हैं। इनका मानना है कि मानव रुपी जीवन में हम्हे अपने कार्यक्षेत्र के अलावा गरीब, असहाय, बेसहारा लोगों की मदद करनी चाहिए।

आईएमए अलवर में स्टेट सेक्रेटरी एवं रीजन वाइस प्रेसिडेंट जयपुर जोन ने सुनी डॉक्टर्स की समस्याएं...

संगठित होकर हर समस्या का निराकरण संभव : डॉ.रजनीश शर्मा

सितारा न्यूज नेटवर्क

युवराज शर्मा /अलवर। आज दिनांक 8 जुलाई 2023 को आई एम ए हॉल अलवर में जयपुर से पधारे डॉक्टर पी सी गर्ग - स्टेट सेक्रेटरी राजस्थान एवं शाहपुरा से पधारे डॉक्टर रजनीश शर्मा - रीजन वाइस प्रेसिडेंट जयपुर जोन ने डॉक्टर की समस्याओं को सुनने हेतु एक साधारण मीटिंग का आयोजन किया। कार्यक्रम का प्रारंभ सभी अतिथि द्वारा डॉक्टर बीसी रॉय की तस्वीर पर पुष्प चढ़ाकर प्रारंभ किया गया । तत्पश्चात सभी अतिथियों का स्वागत आई एम ए के चिकित्सकों द्वारा किया गया स्वागत उद्बोधन आई एम ए अलवर के अध्यक्ष डॉक्टर एस सी मित्तल ने देते हुए अतिथियों एवं चिकित्सकों को धन्यवाद दिया कि बहुत कम समय के निमंत्रण पर आप सभी ने पधारकर कार्यक्रम को सफल बनाया ।डॉ रजनीश शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि चिकित्सक एक जुट होकर हर समस्या का समाधान निकाल सकते है उन्होंने अपने उद्बोधन में डॉक्टर्स की फायर एन ओ सी सहित अन्य ज्वलंत समस्याओ के निराकरण का जल्द ही निराकरण होने का आश्वासन दिया तथा हर डॉक्टर को अपना रजिस्ट्रेशन करवाकर आई एम ए के मोबाइल ऐप्प को काम में लेकर अपनी समस्याओ को उस पर अपलोड करने का सुझाव दिया ताकि तुरन्त समस्या का समाधान किया जा सके ।डॉक्टर पी सी गर्ग - स्टेट सेक्रेटरी राजस्थान ने अपने उद्बोधन में कहा कि अलवर आई एम ए शाखा अपने आप में बहुत मजबूत है तथा यहाँ के 354 रजिस्टर्ड डॉक्टर्स हमारे कार्यालय में अपडेट है यह संख्या बढ़कर 400 होनी चाहिए । इस मौके पर उन्होंने लाये हुए मेम्बरशिप काड्र्स भी सदस्यों को प्रदान किये) इस मौके पर उन्होंने आई एम ए अलवर के हाई-टेक ऑफिस जिसमे लैंड लाइन फोन, वाई फाई कनेक्टिविटी , लैपटॉप, कलर्ड प्रिन्टर इत्यादि सुसज्जित ऑफिस का भी उद्घाटन किया वही अकाउंटेंट बाबूलाल सैनी को भी माला पहनकर स्वागत किया तथा आई एम ए अध्यक्ष डॉ एस. सी. मित्तल एवं पूरी टीम को बधाई देते हुए अलवर आई एम ए के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाये प्रेषित करी ।मंच संचालन डॉ. विजय सिंह चौधरी ने किया ।कार्यक्रम में अध्यक्ष डॉ.एस.सी.मित्तल, सचिव- डॉ विजय सिंह चौधरी, कोषाध्यक्ष डॉ.दीपक श्रीवास्तव, पूर्व प्रेसिडेंट स्टेट आई एम ए डॉ.एम.एन.थरेजा, पूर्व अध्यक्ष डॉ. विजय पाल सिंह, ,डॉ.एस.के.शर्मा, डॉ.राजीव मित्तल , डॉ.अशोक महावर, डॉ. सुधीर गुप्ता, डॉ.महेश जैन, डॉ. के.सी.गागल, डॉ.शमीर्ला महेश्वरी,डॉ. नन्दनी शर्मा, डॉ. देवयानी राणावत, डॉ. हनी निश्छल, डॉ. सविता थरेजा , डॉ.राजीव सक्सेना, डॉ.जी.सी.मित्तल, डॉ. दीपा जैन डॉ.राकेश, डॉ.विनोद गुप्ता, डॉ.अचिन, डॉ.अशोक जैन, डॉ.डी.आर.पटेल सहित बड़ी संख्या में डॉक्टर्स उपस्थित रहे ।

अलवर आई एम ए शाखा अपने आप में बहुत मजबूत शाखाः डॉ. पी.सी. गर्ग

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

महाराष्ट्र का राजनीतिक घटनाक्रम भारतीय राजनीति व लोकतंत्र की कमजोरियों को उजागर करता है। सत्ता के लिए येनकेन प्रकारेण की सोच, परिवारवाद की राजनीति में अहं का टकराव एनसीपी में टूट की वजह है। महाराष्ट्र में बेशक भाजपा व शिवसेना शिंदे की सरकार को और मजबूती मिली हो अजित पवार के आने से, लेकिन महाराष्ट्र और देश की राजनीति के लिए नया सबक है। इसका असर आने वाले विधानसभा चुनावों व लोकसभा चुनाव पर पड़ेगा। विपक्षी एकता के प्रयास को शुरू में ही झटका लगा है। इस घटनाक्रम से एक बार फिर यह साबित हुआ है कि देश की राजनीति में अब वैचारिकता व नैतिकता बीते दिनों की चीज हो गई हैं। अजित के कदम का सियासी विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

महाराष्ट्र ने बदला राष्ट्रीय परिदृश्य

विश्लेषण

प्रमोद जोशी
वरिष्ठ पत्रकार

एनसीपी में इस बगावत की तार्किक-परिणति का इंतज़ार करना होगा। क्या अजित पवार दल-बदल कानून की कसौटी पर खरे उतरते हुए पार्टी के विभाजन को साबित कर पाएंगे? क्या वे एनसीपी के नाम और चुनाव-चिह्न को हासिल करने में सफल होंगे? ऐसा हुआ तो चाणक्य के रूप में प्रसिद्ध शरद पवार की यह भारी पराजय होगी। देश में उत्तर प्रदेश के बाद महाराष्ट्र सबसे महत्वपूर्ण राज्य है, जहां से लोकसभा की 48 सीटें हैं। वहां हुआ राजनीतिक-परिवर्तन राष्ट्रीय-राजनीति को दूर तक प्रभावित करेगा। इस घटनाक्रम का गहरा असर विरोधी-एकता के प्रयासों पर भी पड़ेगा। हालांकि अभी स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है।

राष्ट्रीय-राजनीति की दृष्टि से देश में उत्तर प्रदेश के बाद महाराष्ट्र सबसे महत्वपूर्ण राज्य है, जहां से लोकसभा की 48 सीटें हैं। वहां हुआ राजनीतिक-परिवर्तन राष्ट्रीय-राजनीति को दूर तक प्रभावित करेगा। इस घटनाक्रम का गहरा असर विरोधी-एकता के प्रयासों पर भी पड़ेगा। हालांकि अभी स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है, पर लगता है कि अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार को उन्हीं के तौर-तरीकों से मात दे दी है। इस घटना से 'महा विकास अघाड़ी' की राजनीति पर सवालिया निशान लग गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस के अनुसार 2019 में शिवसेना ने बीजेपी की पीठ में'छुरा घोंपने' का जो काम किया था, उसका 'बदला' पूरा हो गया है। अजित पवार की बगावत से महाराष्ट्र के 'महा विकास अघाड़ी' गठबंधन की दरारें उजागर होने के साथ ही 2024 के चुनाव के लिए राष्ट्रीय स्तर पर विरोधी-महागठबंधन की तैयारियों को धक्का लगा है।

भविष्य की राजनीति

फिलहाल एनसीपी की इस बगावत की तार्किक-परिणति का इंतज़ार करना होगा। क्या अजित पवार दल-बदल कानून की कसौटी पर खरे उतरते हुए पार्टी के विभाजन को साबित कर पाएंगे? क्या वे एनसीपी के नाम और चुनाव-चिह्न को हासिल करने में सफल होंगे? ऐसा हुआ तो चाणक्य के रूप में प्रसिद्ध शरद पवार की यह भारी पराजय होगी। कुछ पर्यवेक्षक मानते हैं कि यह शरद पवार का ही 'डबल गेम' है। उनकी राजनीतिक संलग्नता कहीं भी रही हो, वे भाजपा के संपर्क में हमेशा रहे हैं। भाजपा ने उनकी मदद से ही राज्य में शिवसेना की हैसियत कमज़ोर करने में सफलता प्राप्त की थी। इस समय उनकी पराजय अपनी बेटी को उत्तराधिकारी बनाने के कारण हुई है। एमवीए की विसंगतियों की पहली झलक पिछले साल शिवसेना में हुए विभाजन के रूप में प्रकट हुई। दूसरी झलक अब दिखाई पड़ी है। ताजा बदलाव का बीजेपी और एकनाथ शिंदे की शिवसेना पर भी असर होगा। तीनों पार्टियां इस अंतर्विरोध को किस प्रकार सुलझाएंगी, यह देखना होगा।

बगावत क्यों हुई?

अजित पवार, प्रफुल्ल पटेल और छगन भुजबल जैसे बड़े नेताओं की बग़ावत ने उस पार्टी को विभाजित कर दिया है, जिसे शरद पवार ने खड़ा किया था। इसके दो कारण समझ में आते हैं। एक, दीर्घकालीन राजनीतिक हित और दूसरे व्यक्तिगत स्वार्थ। यह विभाजन केवल पार्टी का ही नहीं है, बल्कि पवार परिवार का भी है। शरद पवार ने अपनी विरासत भतीजे को सौंपने के बजाय अपनी बेटी को सौंपने का जो फैसला किया, उसकी यह प्रतिक्रिया है। जैसा कभी बाल ठाकरे ने किया था। भतीजे राज ठाकरे पर बेटे उद्धव ठाकरे को तरजीह दी थी। एनसीपी के कार्यकर्ता शरद के फैसले से आश्वस्त नहीं थे। वे सत्ता के करीब रहना चाहते हैं, ताकि उनके काम होते रहें। अजित पवार, प्रफुल्ल पटेल और अन्य नेताओं के खिलाफ चल रही ईडी वगैरह की कार्रवाई को भी एक कारण माना जा रहा है। प्रफुल्ल पटेल ने एक राष्ट्रीय दैनिक को बताया कि बगावत के दो प्रमुख कारण रहे। एक, शरद पवार स्वयं अतीत में बीजेपी की निकटता के हामी रहे हैं.. और दूसरे उनकी बेटी अब उनके सारे निर्णयों की केंद्र बन गई हैं और वे अपने फैसले सब पर थोप रहे हैं। ईडी की कार्रवाई के बारे में उन्होंने कहा, एजेंसियों को मेरे खिलाफ कुछ मिला नहीं है। यों भी ईडी के मामलों से सामान्य कार्यकर्ता प्रभावित नहीं होता। उनकी दिलचस्पी तो अपने काम कराने में होती है।

विरोधी-एकता

प्रफुल्ल पटेल से जब पूछा गया कि 23 जून को पटना में हुई विरोधी-एकता की बैठक में आप भी तो गए थे, उन्होंने कहा, पटना में जो तस्वीर उभरी वह उत्साहजनक नहीं थी। वहां मौजूद सब कह रहे थे कि मोदी का मुकाबला करेंगे ,कौन और कैसे, इसकी कोई योजना नहीं बता रहा था। अजित पवार ने क्या विचारधारा से समझौता किया है, इसके जवाब में प्रफुल्ल पटेल का कहना है कि शरद पवार की विचारधारा को लेकर कार्यकर्ता और समर्थक भ्रम की स्थिति में हैं। वे लगातार बीजेपी के संपर्क में रहे हैं। 2014 में उन्होंने बीजेपी सरकार को बाहर से समर्थन देने की पेशकश की थी। 2019 में जब अजित पवार ने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, वह उनकी पूरी जानकारी में ली थी। जब एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना में टूट हो रही थी, तब पवार साहब ने मुझसे, जयंत पाटील और अजित पवार से कहा कि देखो क्या हमारा भाजपा के साथ गठबंधन हो सकता है, पर तब तक देर हो चुकी थी। शिंदे का टाई-अप हो चुका था। अब जब उनकी उम्र 82 के ऊपर हो चुकी है, उन्होंने अपनी बेटी की वजह से अजित पवार की उपेक्षा करके गलती कर दी है। अजित पवार पार्टी के भीतर काफी लोकप्रिय हैं। प्रफुल्ल पटेल के अनुसार 30 जून को अजित पवार के निवास पर हुई बैठक में 41 विधायकों ने एक हलफनामे पर दस्तखत किए थे। उसी रोज वह दस्तावेज चुनाव आयोग को सौंप दिया गया था, जिसमें कहा गया था कि अजित पवार एनसीपी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

सुप्रिया सुले फैक्टर

इस साल मई में शरद पवार ने एनसीपी अध्यक्ष से इस्तीफ़ा देने की पेशकश तो मंच पर उनकी पत्नी, बेटी और भतीजा अजित पवार उनके साथ बैठे थे। इस्तीफे के बाद पार्टी में उनके उत्तराधिकारी का सवाल उठा और अंततः उन्होंने इस्तीफा वापस ले लिया। इसके कुछ दिन बाद उन्होंने पार्टी के 25वें स्थापना दिवस 10 जून को पार्टी के दो कार्यकारी अध्यक्षों के नाम घोषित किए। सुप्रिया सुले और प्रफुल्ल पटेल। इनके कार्यों का विभाजन इस प्रकार किया गया कि महाराष्ट्र समेत सभी प्रमुख कार्य सुप्रिया सुले के हिस्से में आए। उन्होंने परोक्ष रूप से यह स्पष्ट कर दिया कि एनसीपी की कमान सुप्रिया सुले के पास होगी। अजित के लिए यह बड़ा धक्का था। उन्हें ज़मीन से जुड़ा नेता माना जाता है, जिनकी महाराष्ट्र में पकड़ है।

एनसीपी की पकड़

1999 में जब सोनिया गांधी के विदेशी मूल को लेकर शरद पवार ने कांग्रेस छोड़कर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का गठन किया, तभी अटल बिहारी वाजपेयी ने उन्हें सुझाव दिया कि आप एनडीए में आ जाएं। उन्होंने इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया, पर भाजपा के साथ उन्होंने रिश्तों को बनाकर रखा। 2004 में हालांकि वे यूपीए सरकार के महत्वपूर्ण घटक के रूप में शामिल हुए, पर उनका भाजपा से भी संपर्क जारी रहा। पवार ने अपनी आत्मकथा में लिखा है कि नरेंद्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने यूपीए और मोदी के बीच संपर्क-सेतु कायम किया था। महाराष्ट्र में भाजपा का शिवसेना से गठबंधन था, जिसमें शिवसेना भारी पड़ती थी। दोनों के आंतरिक-विग्रह की पृष्ठभूमि 2009 में तैयार हुई, जब विधानसभा चुनाव में भाजपा को शिवसेना से ज्यादा सीटें मिलीं। उसके पहले तक महाराष्ट्र में शिवसेना बड़े भाई की भूमिका में थी। उसके बाद उसे समझ में आ गया था कि भूमिका बदल रही है। वर्ष 2014 में शिवसेना ने बीजेपी के साथ मिलकर चुनाव नहीं लड़ा, पर बीजेपी की ताकत और बढ़ गई। उस मौके पर शरद पवार ने बीजेपी की सरकार को बाहर से समर्थन देने का वादा कर दिया।

इससे शिवसेना में घबराहट फैल गई और उसे न केवल सरकार में शामिल होना पड़ा, बल्कि बहुत कुछ खोना भी पड़ा। उसे महत्वपूर्ण मंत्रालय नहीं दिए गए। उनके मंत्रियों की फाइलों को लेकर सवाल किए गए। भाजपा नेताओं ने 'मातोश्री' जाकर राय-मशविरा बंद कर दिया। शायद यह सब सोच-समझकर हुआ, ताकि शिवसेना को अपनी हैसियत का पता रहे।

कहानी अभी बाकी है

महाराष्ट्र की कहानी का उपसंहार अभी लिखा नहीं गया है, बल्कि कहानी शुरू हुई है। अजित पवार एनसीपी के बहुसंख्यक विधायकों को अपने साथ ले आए तो महाराष्ट्र सरकार के भीतर टकराव की स्थितियां पैदा होंगी। शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट के साथ भाजपा का टकराव होगा। लोकसभा चुनाव के पहले महाराष्ट्र के राजनीतिक-गठबंधन का फैसला भी होना है। भाजपा को महाराष्ट्र में ताकतवर सहयोगी की जरूरत है। यह जरूरत एकनाथ शिंदे की शिवसेना से भी पूरी नहीं होती है, क्योंकि उसके पास ऐसे नेता नहीं हैं, जो चुनाव जिता सकें। अभी नहीं, तो भविष्य में शिंदे की शिवसेना का रास्ता अलग हो सकता है। एनसीपी मराठा पार्टी है, जिसके पास काफी ताकतवर नेता हैं। एनसीपी के इन नेताओं को भी भाजपा के साथ रहने में अपना भविष्य सुरक्षित लगता है।

पीठ में खंजर

शरद पवार 1960 से राजनीति में सक्रिय हैं। पिछले छह दशकों की महाराष्ट्र की राजनीति उनके इर्द-गिर्द घूमती रही। 1977 में आपातकाल के बाद कांग्रेस दो गुटों में विभाजित हो गई, 'इंदिरा कांग्रेस' और 'रेड्डी कांग्रेस'। यशवंतराव के साथ, वसंतदादा पाटील, शरद पवार सहित महाराष्ट्र के कई नेता 'रेड्डी कांग्रेस' में चले गए। 1978 में जब राज्य विधानसभा चुनाव हुए तो दोनों कांग्रेस अलग-अलग लड़ीं। जनता पार्टी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी, लेकिन बहुमत से पीछे रह गई। तब दोनों कांग्रेस फिर एक साथ आईं। इस गठबंधन सरकार के वसंतदादा पाटील मुख्यमंत्री बने। शरद पवार ने 40 समर्थक विधायकों के साथ बगावत की और वह सरकार गिर गई। जुलाई 1978 में शरद पवार 38 साल की उम्र में महाराष्ट्र के सबसे कम उम्र के मुख्यमंत्री बने। तब कहा गया कि 'वसंतदादा की पीठ में खंजर घोंपा गया।' बाद में वे कांग्रेस में वापस आ गए। फिर सोनिया गांधी के विदेशी मूल का मामला उठाते हुए कांग्रेस छोड़ दी और 1999 में राकांपा बना ली। 2019 में महाविकास अघाड़ी गठबंधन का श्रेय भी उन्हें ही दिया जाता है, पर आज शरद पवार अपने ही हथियारों से घायल दिखाई पड़ रहे हैं। सियासत अभी बाकी है...

मूल्य नहीं सत्ता की डोर सर्वोपरि

महाराष्ट्र

अंजलि मिश्रा
स्वतंत्र लेखिका

लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष की अपनी-अपनी मर्यादाएं और शिष्टाचार हैं। महाराष्ट्र में शरद पवार की पार्टी एनसीपी को तोड़कर उनके भतीजे अजीत पवार को उपमुख्यमंत्री बनाए जाने से फिर साफ हो गया है कि नए दौर की राजनीति में इन मूल्यों की कोई जगह नहीं है। सत्ता-सियासत की दिशा बदलने के लिए दल बदल कानून को ठेंगा दिखाते हुए तोड़-फोड़, पाला बदल को सामान्य राजनीतिक सिद्धांत बना लिया गया है। काबिले गौर है कि महाराष्ट्र में कथित 'आपरेशन लोटस' की ताजा कड़ी तब सामने आई है जब देश में विपक्षी एकता को एक आधार देने की पटना में शुरूआत हुई। बहरहाल जहां तक इस पाला बदल का सवाल है तो यह केवल महाराष्ट्र से जुड़ी नहीं मानी जा सकती, क्योंकि शिंदे की शिवसेना और भाजपा के पास बहुमत का कोई संकट नहीं था। इसका सीधा जुड़ाव 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्षी विकल्प की किसी उभरती चुनौती को थामने से भी है। मोदी की चमक और ताकतवर संगठन-संसाधनों से लैस भाजपा भले अगले आम चुनाव में भी विपक्ष के शून्य होने का दावा ठोकती रहती है, मगर क्या वाकई हकीकत ऐसी है? पटना में विपक्षी दलों के दिग्गजों के जुटान के बाद भाजपा में दिखी बेचैनी कम से कम ऐसा संकेत नहीं दे रही। बेशक विपक्षी दिग्गजों की पहली महाबैठक से एकता का कोई ठोस स्वरूप नहीं निकला। फिर भी भाजपा की चिंता बढ़ने की वजह यह है कि मौजूदा राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक परिदृश्य अगले लोकसभा चुनाव के लिए इतने भी गुलाबी नहीं जितने भाजपा दावा करती है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भाजपा को कांग्रेस से मिली बड़ी शिकस्त इसका ताजा उदाहरण है। वैसे छह महीने पूर्व हिमाचल प्रदेश के नतीजे भी कुछ ऐसे ही रहे थे। इन दोनों नतीजों की चर्चा इसलिए कि भाजपा ने पीएम मोदी के ब्रांड पर दांव लगाया पर जीत नहीं मिली।

समझना कठिन

ऐसे में राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता की पहल के बाद महाराष्ट्र में आपरेशन लोटस की भाजपा की जल्दबाजी की पहेली को समझना कठिन नहीं है। 2024 के फाइनल से पूर्व 2023 के अंत में छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम के चुनाव सेमीफाइनल माने जा रहे हैं। इन पांचों राज्यों की मौजूदा राजनीतिक वास्तविकता भाजपा को परेशान कर रही हैं। कांग्रेस से टूटकर गए ज्योतिरादित्य सिंधिया के दम पर भाजपा ने मध्यप्रदेश में कांग्रेस की चुनी गई सरकार गिराकर तीन साल पहले सत्ता तो हासिल कर ली, मगर उसी सिंधिया और उनके समर्थकों से पुराने भाजपाई नेताओं-कार्यकर्ताओं की गुटबाजी पार्टी की परेशानी बढ़ा रही है। चुनावी एजेंसियों-चैनलों के सर्वे के हिसाब से

कमलनाथ की अगुवाई में कांग्रेस सत्ता की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में भाजपा की हालत कुछ वैसी ही नाजुक है, जैसी उत्तर प्रदेश-बिहार में कांग्रेस की। छत्तीसगढ़ भाजपा के पास कांग्रेस के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मुकाबले कोई दमदार चेहरा नहीं है। पूर्व सीएम रमन सिंह की राजनीतिक प्रासंगिकता सीमित हो चुकी है। नंद किशोर साय जैसे सूबे के भाजपा के सबसे बड़े आदिवासी नेता कांग्रेस का दामन थाम चुके हैं। चुनाव में कोई गुंजाइश न रह जाए इसके मद्देनजर कद्दावर नेता और मंत्री टीएस सिंह देव को उप मुख्यमंत्री के तौर पर प्रमोट कर कांग्रेस ने अंदरूनी खटपट लगभग खत्म कर दी है। राजस्थान के चुनाव की परिस्थितियां दिलचस्प जरूर हैं, मगर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी कई फ्लैगशिप लोकप्रिय योजनाओं के दम पर सूबे में सत्ता विरोधी माहौल को थाम लिया है। गहलोत और सचिन पायलट का आपसी झगड़ा सुलह की राह पर है। बेशक राजस्थान को गहलोत की जादूगरी से निकालने के लिए भाजपा जोर लगा रही, मगर गुटों में बंटी प्रदेश इकाई के साथ वसुंधरा राजे को चेहरा घोषित नहीं करने की हिचक पार्टी की दुविधा दर्शा रही है। इन तीनों राज्यों का चुनाव इसीलिए भाजपा के लिए अहम है, क्योंकि पिछले दो लोकसभा चुनाव में पार्टी यहां लगभग सारी सीटें जीती हैं और 2024 में हैट्रिक को लेकर कई तरह के सवाल हैं।

चुनौतियां बढ़ेंगी

हैदराबाद नगर निगम चुनाव में दूसरे नंबर पर आने के बाद तेलंगाना को कर्नाटक के अलावा भाजपा का दूसरा मजबूत गढ़ माना जा रहा था, लेकिन राहुल गांधी की दो जुलाई की खम्मम रैली में जुटी भीड़ के बाद केसीआर सरकार के खिलाफ कांग्रेस सत्ता विरोधी लहर की धुरी बनती नजर आ रही है। केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बनाकर भेजने का दांव अब बहुत कारगर होगा इसमें संदेह है। मणिपुर में दो महीने से अधिक समय से जारी गंभीर हिंसा के दौर के बाद समूचे पूर्वोत्तर में भाजपा-एनडीए की राजनीति को लेकर एक असहज स्थिति बनी है, जो मिजोरम चुनाव में उसकी चुनौती बढ़ाएगी।

महाराष्ट्र और बिहार अहम

महाराष्ट्र और बिहार के समीकरण 2024 में भाजपा के लिए यहां बड़ी चुनौती माने जा रहे, क्योंकि पिछले चुनाव में इन राज्यों की 88 में से 81 लोकसभा सीटें भाजपा-एनडीए को हासिल हुई थी, लेकिन 18 सांसद वाली उद्धव ठाकरे की शिवसेना चाहे टूट गई हो पर अब अलग है तो 16 सीटें जीतने वाली नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड राजग से बाहर है। उद्धव सरकार गिरा शिवसेना तोड़कर एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाने के बाद भी एनसीपी-कांग्रेस-उद्धव का महाविकास अघाड़ी अगले चुनाव में भाजपा के लिए चुनौती माने जा रहे हैं। तभी भाजपा ने ऐसा दांव चला है कि न केवल एनसीपी टूट गई है, शरद पवार को नाजुक राजनीतिक दोराहे पर ला खड़ा किया है। चर्चा तो यह भी गरम है कि लोकसभा के साथ महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कामयाबी के लिए हुई डील के तहत एकनाथ शिंदे को किनारे कर अजीत पवार को मुख्यमंत्री बना दिया जाए तो आश्चर्य नहीं होगा। मुख्यमंत्री बनने की इच्छा जताकर अजीत ने इस चर्चा को हवा भी दे दी है। वैसे शिंदे की तुलना में अजीत का कद और प्रभाव भाजपा के लिए कहीं ज्यादा फायदे का सौदा है। जहां तक शरद पवार का सवाल है तो अब वे अपनी राजनीति और प्रतिष्ठा बचाने की दोहरी लड़ाई लड़ रहे हैं, इसीलिए पहले वे अपनी सियासी जमीन बचाएंगे और राष्ट्रीय विपक्षी एकजुटता की चिंता बाद में करेंगे।

परिवार केंद्रित दलों के भविष्य पर सवाल

सियासत

अनिरुद्ध पी सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

प्रारंभिक निष्कर्षों में यह एक अवसरवादी राजनीति का सामान्य उदाहरण प्रतीत होता है, गौर से देखने पर आपको लगेगा कि इसके मूल में सत्ता के बंटवारे को लेकर पैदा हुआ असंतोष है, जिसकी चरम परिणति इस रूप में हुई है। महाराष्ट्र में ताजा घटनाक्रम से साफ हो गया है कि परिवार केंद्रित राजनीतिक दलों में जब आपसी हित इस कदर उलझ जाएं कि सुलझाए न सुलझें तो बड़ी उथल-पुथल तय है। मौजूदा घटनाक्रम यद्यपि शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) तक केंद्रित है, लेकिन इससे निकला सबक सभी परिवार केंद्रित राजनीतिक दलों पर समान रूप से लागू होता है। राजनीतिक दलों में सत्ता के बंटवारे को लेकर परिजनों के बीच हमेशा से तलवारें खिंचती रही हैं और ऐसे विवादों का प्रायः इसी अंदाज में समापन भी होता रहा है। महाराष्ट्र में पहले शिवसेना और अब राकांपा में सांगठनिक स्तर पर पिछले कुछ दिनों में जो कुछ हुआ, वह कांग्रेस समेत देश के सभी छोटे-बड़े राजनीतिक दलों के लिए चेतावनी की तरह है।

एक जैसी कहानी

महाराष्ट्र में परिवार केंद्रित दोनों राजनीतिक दलों शिवसेना और राकांपा के विभाजन की कहानी, कुछ अंतर के साथ, लगभग एक जैसी है। दोनों ही क्षेत्रीय दल असहमतियों की वजह से टूट का शिकार हुए हैं। यह सब इतना तेजी से हुआ कि शरद पवार यह समझ ही नहीं पाए कि समय के साथ कब स्थितियां बदल गईं और अजित पवार के साथ पार्टी में नेतृत्व को लेकर शुरू हुआ टकराव अंततः पार्टी में विभाजन की वजह बन गया। भारत में लोकतंत्र की शुरुआत में भले ही परिवार केंद्रित राजनीतिक दलों का कोई योगदान न रहा हो, लेकिन भारतीय राजनीति को परिवारवादी राजनीति से ज्यादा दिन मुक्त नहीं रखा जा सका। लोककल्याण के संकल्प के साथ अनेक क्षेत्रीय दल अस्तित्व में आए और उनमें से कई ने अपने लिए सम्मानजनक स्थान निर्मित करने में सफलता हासिल की। शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भी ऐसा ही दल रही है।

इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि जब-जब विवाद गहराते हैं, असहमतियां बढ़ती हैं, तो इसके प्रभाव पार्टी संगठन के स्तर पर लगभग अंतिम समय में दिखाई देते हैं। यही वजह है कि इन चरम असहमतियों की स्थिति में हम अक्सर सरकारें गिरते-बनते देखते हैं। आजकल यह एक सहज स्थिति हो गई है। छोटे दलों में तोड़फोड़ या सहयोग के माध्यम से अक्सर ही सरकारें बनाने और गिराने के खेल चलते रहते हैं। महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की स्थापना बाल ठाकरे और शरद पवार ने की थी। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि दोनों ही राजनीतिक दल पारिवारिक झगड़ों से प्रभावित हुए और यही झगड़ा अंततः पार्टी में टूट की वजह बना। आपमें

से कुछ लोगों को जरूर याद होगा कि 1978 में महाराष्ट्र के तत्कालीन सीएम वसंतदादा पाटील के खिलाफ विद्रोह करके शरद पवार ने किस तरह सत्ता हासिल की थी। उस समय इस घटनाक्रम से हतप्रभ वसंतदादा पाटील के पास उन्हें चुपचाप देखते रहने के अलावा कोई और चारा नहीं था। इतिहास अपने आपको दोहराता है, आज शरद पवार भी लगभग उसी स्थिति में हैं, जिसमें 45 साल पहले वसंतदादा पाटील थे।

दशकों तक प्रभुत्व

शरद पवार का राजनीतिक जीवन शुरुआत से ही शानदार रहा है। अपने साथ अलग हुए कांग्रेस के गुट को विपक्षी जनता पार्टी के सहयोग से शरद पवार ने केवल 38 साल की उम्र में मुख्यमंत्री के रूप में महाराष्ट्र की कमान संभाली थी। इस तरह महाराष्ट्र की राजनीति पर शरद पवार के दशकों तक कायम रहे प्रभुत्व की शुरुआत हुई थी। वह शरद पवार का अच्छा समय था। उस दौर में पराजित मराठा दिग्गज वसंत राव पाटील ने शरद पवार पर पीठ में छुरा घोंपने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ अभियान चलाया, लेकिन इस पर किसी ने गौर नहीं किया। आख़िरकार पवार ने अपने गुरु के मार्गदर्शन में तैयार किए कांग्रेसियों के एक युवा समूह का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया और महाराष्ट्र और देश की राजनीति में अपने लिए एक सम्मानजनक स्थान बनाया। उस दौर में कांग्रेस को नेहरू और महात्मा गांधी की नाम से पहचाना जाता था, तो विपक्ष दल के रूप में जानी जाने वाली जनता पार्टी विभाजित होकर कई क्षेत्रीय दलों में बंट गई थी, जो नाम और आदर्श में तो समाजवादी थे, लेकिन कार्य और रूप में एकदम परिवार केंद्रित। शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भी ऐसा ही परिवार केंद्रित क्षेत्रीय दल रहे हैं। जो धीरे-धीरे पारिवारिक संपत्ति बनती चली गई। प्रत्येक परिवार केंद्रित पार्टी के नेता परिवार की सीमा से परे देखने में विफल रहे, जिससे इन पार्टियों का आधार धीरे-धीरे कमजोर होता चला गया। जब सब कुछ अच्छा चल रहा हो, तो कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन जब चीजें एकदम बेकाबू हो गई हों तो पार्टी नेतृत्व को इसकी कीमत चुकानी पड़ती है जैसा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के मामले में हुआ है। क्षेत्रीय दलों के कामकाज का विश्लेषण करने पर हम पाते हैं कि जब तक मुलायम सिंह यादव के इर्द-गिर्द असंतोष नहीं पनपा, समाजवादी पार्टी सत्ता में बनी रही। जैसे ही नेतृत्व को लेकर अखिलेश और शिवपाल के बीच द्वंद्व शुरू हुआ, धीरे-धीरे पार्टी का आधार खिसकता चला गया। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जदयू, जनता दल (एस), टीएमसी, द्रमुक, अकाली दल, एआईएडीएमके जैसे सभी क्षेत्रीय दलों की एक जैसी कहानी है। इस समय डीएमके के स्टालिन, तेलंगाना में के चंद्रशेखर राव और झारखंड में हेमंत सोरेन भले ही आज भी सत्ता में हैं, लेकिन पार्टी संगठन में पैदा होने वाले असंतोष पर उन्होंने गौर नहीं किया तो आज नहीं तो कल उन्हें भी इसी स्थिति से गुजरना होगा।

सबक लेने की जरूरत

पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है, तो इसका एक अर्थ यह भी हो सकता है कि भाजपा परिवार केंद्रित दल नहीं है। इसके विपरीत कांग्रेस अनेक दावों के बाद भी नेहरू गांधी परिवार तक ही केंद्रित एक राजनीतिक दल बनकर रह गया है। यही वजह हो सकती है कि हाल के दिनों में उसका आधार लगातार कमजोर होता जा रहा है। पिछले दिनों हुए कर्नाटक चुनाव के दौरान कांग्रेस में सत्ता को एक सीमा तक विकेंद्रित किया गया तो नतीजा सामने है। महाराष्ट्र में पहले शिवसेना और अब राकांपा में सांगठनिक स्तर पर पिछले कुछ दिनों में जो कुछ हो रहा है, उस पर सभी छोटे-बड़े राजनीतिक दलों को गौर करने की जरूरत है।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सितारा न्यूज ब्रीफ

कार्यक्रम के समय में हुआ अल्प बदलाव

नगरीय एवं विकास मंत्री 'कोटा चौपाटी' का आज करेंगे लोकार्पण

सायं 7 बजे की बजाए दोपहर 3 बजे करेंगे शुभारंभ

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। जयपुर चौपाटी की तर्ज पर बनी 'कोटा चौपाटी' में आमजन 9 जुलाई से लजीज व्यंजनों के चटकारे एक छत के नीचे ले सकेंगे। नगरीय एवं विकास मंत्री शांति धारीवाल 9 जुलाई, दोपहर 3 बजे चौपाटी आमजन को समर्पित करेंगे। इससे पहले चौपाटी का शुभारंभ 28 जून को होना था लेकिन अपरिहार्य कारणों के चलते कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया था। आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने कहा कि जयपुर के मानसरोवर और प्रताप नगर में बनी 'जयपुर चौपाटी' राजधानी के स्थानीय और विदेशी पर्यटकों के लिए हॉट डेस्टिनेशन बन चुकी है। कोटा में विकसित 'कोटा चौपाटी' भी शहर के लिए लैंडमार्क साबित होगी। उन्होंने कहा कि कोटावासी चौपाटियों पर 3 दर्जन से ज्यादा व्यंजन व्यंजनों का लुत्फ उठा सकेंगे।

अरोड़ा ने बताया कि कोटा चौपाटी में कुल 17 दुकानों एवं 4 कियोस्कों का निर्माण किया गया है, जहां इंडियन, इटालियन, कॉन्टिनेंटल व्यंजन आमजन के लिए उपलब्ध हो सकेंगे। उन्होंने बताया कि चौपाटी परिसर में म्यूजिक सिस्टम एवं म्यूजिकल बैंड के बीच व्यंजनों का स्वाद आमजन के लिए अविस्मरणीय रहेगा।

गौरतलब है कि जयपुर स्थित प्रताप नगर और मानसरोवर में स्थापित चौपाटी के लजीज क्यूजीन और व्यंजनों के तो शहरवासी दीवाने हैं। चौपाटियों के शुरूआती 5 महीनों में अधिकतम फुटफाल के लिए तो मंडल को 2 अंतरराष्ट्रीय अवार्ड भी मिल चुके हैं।

रामगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवन का होगा निर्माण

दैनिक सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। राज्य सरकार प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार एवं आधारभूत ढांचे को मजबूत कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने जयपुर के रामगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवन निर्माण के लिए 5.25 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। इससे केंद्र में चिकित्सा सुविधाएं बढ़ेगी और आसपास के मरीजों को उपचार के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री ने उप स्वास्थ्य केन्द्र सुरायता-सोजत को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में क्रमोन्नत करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। साथ ही, संचालन के लिए 9 नवीन पदों के सृजन की भी स्वीकृति दी है। नवसृजित पदों में चिकित्साधिकारी, महिला स्वास्थ्य दर्शिका, फार्मासिस्ट, लैब टैक्नीशियन, सफाई कर्मचारी के 1-1 पद तथा नर्स श्रेणी द्वितीय व वार्ड ब्वॉय के 2-2 पद शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने दी मंजूरी श्री गोविंद देव जी मंदिर में होंगे विकास कार्य 20.30 करोड़ रुपए स्वीकृत

दैनिक सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर के श्री गोविन्द देव जी मंदिर में विभिन्न विकास कार्यों के लिए 20.30 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी दी है। गहलोत ने बीकानेर के श्री राजरतन बिहारी मंदिर में भी जीर्णोद्धार एवं सुविधाओं के लिए वित्तीय स्वीकृति दी है। इसमें 3.62 करोड़ रुपए की लागत आएगी। दोनों ही जगह राशि पर्यटन विकास कोष से खर्च की जाएगी। श्री गहलोत के इन निर्णयों से इन मंदिरों का सौन्दर्यीकरण, मंदिर मार्गों एवं जन सुविधाओं का विस्तार हो सकेगा। श्रद्धालुओं को भी दर्शन में सुगमता होगी। गहलोत ने बजट में 100 करोड़ रुपए की लागत से श्री गोविंद देव जी मंदिर परिसर में भव्य कॉरिडोर व अन्य विकास कार्य कराए जाने की घोषणा की थी। यह कॉरिडोर काशी विश्वनाथ और उज्जैन के महाकाल मंदिर की तर्ज पर बनेगा। इससे श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं बढ़ेगी।

66 आईटीआई के स्मार्ट क्लास रूम में पढ़ेंगे विद्यार्थी

दैनिक सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। राज्य सरकार प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में आधुनिक शिक्षण सुविधाएं स्थापित कर रही है। इसी क्रम में अब प्रदेश के 66 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में भी एक-एक स्मार्ट क्लास रूम की स्थापना की जाएगी। प्रति स्मार्ट क्लास 2.62 लाख रुपए की लागत आएगी। इसमें कुल 1 करोड़ 72 लाख 92 हजार रुपए व्यय होंगे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस संबंध के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। इस निर्णय से शिक्षण तकनीक और मजबूत होगी। विद्यार्थियों को भी डिजिटल पढ़ाई के अवसर मिलेंगे। वे किताबों के साथ-साथ इंटरनेट पर सिलेबस से संबंधित अन्य सामग्री का भी ऑडियो-वीडियो के जरिए अध्ययन कर सकेंगे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के 97 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों एवं 8 कार्यालयों में सोलर पॉवर प्लांट की स्थापना के लिए 12.88 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। इससे संस्थानों में 2601.60 किलोवाट के स्मॉल सोलर प्लांट लगाए जाएंगे। इनकी स्थापना से विद्युत की बचत होगी।

मुख्यमंत्री ने दी स्वीकृति- अजमेर डिस्कॉम क्षेत्र में 79852 घर होंगे बिजली से रोशन

जयपुर। अजमेर डिस्कॉम क्षेत्र के 7 जिलों के 79 हजार 852 घर शीघ्र ही बिजली से रोशन होंगे। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने ऐसे अविद्युतीकृत घरों में बिजली पहुंचाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। यह कार्य पुर्नोत्थान वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के अंतर्गत किया जाएगा। गहलोत के निर्णय से सौभाग्य योजना की समाप्ति व प्रदेश में 31 मार्च, 2019 के बाद विद्युतीकरण से वंचित रहे घरों में बिजली पहुंचाई जाएगी। इस कार्य हेतु 282.12 करोड़ रुपए राज्य सरकार द्वारा व्यय किए जाएंगे। विद्युतीकृत होने वाले घरों में बांसवाड़ा जिले के 14990, डूंगरपुर जिले के 4189, नागौर जिले के 15615, प्रतापगढ़ जिले के 890, राजसमंद जिले के 9501, सीकर जिले के 77 तथा उदयपुर जिले के 34590 घर शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा बजट वर्ष 2023-24 में इस संबंध में घोषणा की गई थी।

मुख्यमंत्री ने दी मंजूरी- आधुनिक उपकरणों से मजबूत होगी वन्यजीवों की निगरानी

जयपुर। प्रदेश में वन्यजीवों की निगरानी आधुनिक तकनीक युक्त उपकरणों से की जाएगी। साथ ही, वन क्षेत्रों में सुरक्षा के लिए वायरलेस सिस्टम में भी सुधार किया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने और उपकरणों की खरीद के लिए 15 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति दी है।

नगर परिषद, सिटी थाना बारिश के पानी से हुआ लबालब

एक बार फिर तेज बारिश पानी में डुबोया शहर को

निचली बस्तियों में पानी से लोग हुए बेहाल, भगत चौराहे पर फिर लगा ट्रैफिक जाम

दैनिक सितारा न्यूज नेटवर्क

ब्यावर (अनिल सिखवाल)। पिछले दो दिन से लगातार हो रही बारिश ने एक बार फिर ब्यावर शहर को पानी में डुबो दिया। शनिवार को शाम होते-होते बारिश का एक बार फिर दोर शुरू हुआ देखते ही देखते सड़कें पानी से लबालब हो गई जिससे नगर परिषद एक बार फिर से पानी में डूब गई। बारिश का पानी इस तरह से सड़कों पर बहने लगा मानो शहर की सड़कें अब सड़के नहीं दरिया बन गई हो, साथ ही एक बार फिर भगत चौराहे पर ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई।

शहर का सिरमौर नगर परिषद एवं सिटी थाना पानी से हुआ लबालब -

दो दिन हुई बारिश ने नगर परिषद के नकाब को जनता के सामने बेनकाब कर दिया। जो नगर परिषद संपूर्ण शहर के लिए उत्तर दायित्व का निर्वहन की भूमिका निभाने की हैसियत रखती है वह खुद 2 दिनों से पानी में डूबी है इससे यह परिलक्षित होता है कि आखिर नगर परिषद के आला अधिकारी शहर के लिए कितने जवाबदेही है ? यदि समय रहते गंदगी से अटे नालों की साफ सफाई होती रहती तो आज शहर पानी में नहीं डूबता। खैर ! उनको क्या लेना-देना शहर डूबे तो डूबे। उनकी तो पौ -बारह हो रही है। उनकी नजर से तो शहर पूर्णरूपेण स्वच्छ ही स्वच्छ है। यदि इतना स्वच्छ होता तो आज शहर के ये हालात नहीं होते वहीं दूसरी ओर सिटी थाना भी पानी से लबालब नजर आया। जब शहर के 2 विभागों के ये हालात है तो शहर की स्थिति का आकलन भी किया ही जा सकता है की शहर के अन्य क्षेत्रों में पानी से लोगों की क्या स्थिति रही होगी।

छावनी रोड़ भी पानी से डूबा -

एक घंटे तक लगातार चली बारिश ने नगर परिषद के नकली चेहरे को तो जनता के सामने ला ही दिया है वहीं दूसरी ओर छावनी रोड भी पानी से डूबी हुई नजर आई। छावनी रोड पर स्थित लगभग सभी विभाग पानी से तिरोहित हुए से बीएन उपभोक्ता (सहकार भवन) रोड भी पानी से हुई लबालब हो गई।

भगत चौराहे पर फिर लगा जाम -

शनिवार को हुई बारिश ने एक बार फिर भगत चौराहा की यातायात व्यवस्था को चौपट कर दिया दुपहिया वाहन चालक एवं चौपहिया वाहन चालक काफी परेशान हुए। कई दूपहिया वाहनों की पानी में हवा किसकी जिसके कारण भी लंबा जाम लग गया।

भूतेश्वर मंदिर पर गिरी आकाशीय बिजली, मचा हडकंप

सितारा न्यूज नेटवर्क

नारायणपुर। कस्बे से आठ किलोमीटर दूर अलवर-नारायणपुर रोड पर पहाड़ियों की तलहटी में स्थित माण्डव ऋषि की तपोभूमि तालवृक्ष में स्थित भूतेश्वर मंदिर पर शनिवार को अचानक बादलो की तेज गरज के साथ हुई बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिर गई। बिजली गिरने से आसपास के लोगो में हडकंप मच गया। आकाशीय बिजली भूतेश्वर मंदिर की चोटी पर गिरी जिससे मंदिर की चोटी पर लग रहा बड़ा पत्थर का टुकड़ा टूट कर दूर जा गिरा और मंदिर के अंदर लग रहे सीसे टूट गए। हालाँकि बिजली गिरने से कोई जनहानि नही हुई है। वही बिजली गिरने से भूतेश्वर मंदिर की प्रतिमा पर कोई आंच नही आना क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ हैं।

हर हर महादेव... पिपलेश्वर महादेव मंदिर में सजी बाबा बफार्नी की अदभुत झांकी

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर/महेन्द्र प्रताप सिंह। जयपुर के चौड़ा रास्ता स्थित अति प्राचीन संतोषी माता मंदिर में विराजित पिपलेश्वर महादेव का सावन के पवित्र माह में फूलों से नयनाभिराम श्रृंगार व बाबा बफार्नी की आकर्षक झांकी का आयोजन किया गया। मंदिर महंत दामोदर लाल व्यास व युवाचार्य दीपक व्यास ने बताया की हर वर्ष सावन माह में भोलेनाथ का विशेष श्रृंगार व विभिन्न झांकिया सजायी जाती है। उसी क्रम में इस बार महादेव के अमरनाथ स्थित बफार्नी रूप के दर्शन भक्तों को कराये गये। बड़ी संख्या में लोगो ने बाबा के के दर्शन कर प्रसाद भी प्राप्त किया।

मिली नई जिम्मेदारी... श्री कृष्णा आयुष विवि कुरुक्षेत्र के कुलपति बने प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान

सितारा न्यूज नेटवर्क

कुरुक्षेत्र। हिमाचल प्रदेश के पपरोला क्षेत्र निवासी प्रो.वैद्य करतार धिमान को हरियाणा प्रदेश में स्थित श्री कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र का कुलपति नियुक्त किया गया। हरियाणा राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय द्वारा जारी की गई अधिसूचना के तहत प्रो.के.एस धीमान अगले तीन वर्ष तक अधिकृत रुप से कुलपति के पद पर जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। गौरतलब है कि वर्तमान में प्रो. करतार सिंह धीमान गुजरात में स्थित आयुर्वेद विश्वविद्यालय इंस्टिट्यूट ऑफ टीचिंग एंड रिसर्च के शालक्य तंत्र विभाग में बतौर प्रोफेसर पद पर कार्यरत हैं उन्होंने अपने बी.ए.एम.एस कोर्स की शिक्षा आयुर्वेद कांलेज पपरोला हिमाचल प्रदेश व स्नातकोत्तर (पीजी) गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जामनगर के शालाक्य तंत्र विषय से पूर्ण किया` प्रो.के.एस धीमान ने फरवरी 1992 से लेकर सितम्बर 2008 तक पपरोला आयुर्वेद कालेज में आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी (एएमओ),व्याख्याता,वरिष्ठ व्याख्याता, रीडर व शालाक्य तंत्र विभागाध्यक्ष जैसे मुख्य पदों पर रहकर कार्य कियो तत्पश्चात अक्टूबर २००८ से स्नातकोत्तर आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसन्धान संस्थान,गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय जामनगर में प्रोफेसर व शालाक्यतंत्र विभागाध्यक्ष के पद पर कार्यरत हैं।हर्ष की बात है कि प्रो.डॉ करतार सिंह धीमान नेत्र, नाक ,कान, दंत और मुख रोगों के सफल व प्रसिद्ध चिकित्सक है। अपनी सफल चिकित्सा के द्वारा अनेकों लोगों को स्वास्थ्य लाभ करवा चुके हैं। प्रो. डॉ. धीमान ने अपने 32 वर्षों के कुशल कार्यकाल मे टीचिंग,अनुसंधान,प्रशासनिक दृष्टिकोण से अपनी अलग पहचान बनाई है। प्रो. धीमान के आयुर्वेद शिक्षा व चिकित्सा से सम्बंधित सेंकड़ों शोध पत्र राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। प्रो.के.एस धीमान एक योग्य,कर्मठ,मेहनती,संघर्षशील, दूरदर्शी सोच, ईमानदार व्यक्तित्व के धनी हैं। विचारणीय है कि अभी तक डॉ. करतार सिंह धीमान भारत की उच्चतम स्तरीय आयुर्वेदिक संस्थाओ में सेवाएं कर चुके है` उन्होंने सीसीआरएएस निदेशक रहते हुए आयुर्वेद शिक्षा व चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने हेतु जनहितैषी कार्य किए। वैश्विक आपदा कोविड महामारी के दौरान आम लोगो के स्वास्थ्य लाभ हेतु आयुर्वेद औषधि आयुष-64 का सफलतापूर्वक चिकित्सा मे प्रयोग करवायो इसके अलावा सीसीआरएए के माध्यम से अनेकों मुहिमें चलाई जिससे आमजन के स्वास्थ्य को सुरक्षित रखा जा सके। लोगों को कोविड आपदा से बचने के उपाय को लेकर जागरूक कार्यक्रम करवाये। प्रो. डॉ. करतार सिंह धीमान को आयुर्वेद चिकित्सा व शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों में सक्रियता रखने पर राष्ट्रपति महामहिम रामनाथ कोविंद उन्हें राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित कर चुके हैं। आयुष यूनिवर्सिटी हरियाणा का कुलपति नियुक्त किये जाने पर क्षेत्र के गणमान्य लोग व डॉ. सुशील कुमार जांगिड़, डॉ. दीक्षा , डॉ. गणेश, डॉ. ममता इत्यादि ने भी शुभकामनाएं प्रेषित की।

हिंगोनियां में कलस्टर कैम्प का किया आयोजन

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की प्रक्रिया से लेकर मतदान के अधिकार की दी जानकरी

सितारा न्यूज नेटवर्क

हिंगोनियां/शंकरलाल कुमावत। कस्बे की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हिंगोनियां में कलस्टर कैम्प का आयोजन किया गया। बीएलओ गोगलराम ने बताया कि प्रधानाचार्य अजय कुमार गौतम की अध्यक्षता में निर्वाचन विभाग के आदेशानुसार कलस्टर कैम्प का आयोजन किया गया जिसमें कक्षा 11 व 12 के छात्र छात्राओं को मतदान की प्रक्रिया समझायी तथा मतदान के महत्व को समझाते हुए मतदाता सूची में नाम जुड़वाने हटवाने त्रुटि सुधार एवं ऑनलाईन फार्म 6, 7, 7बी, 8 को भरवाने की प्रक्रिया विस्तार से बताई गई। इस मौके पर इलेक्शन प्रभारी राजेन्द्र कुमार, प्रधानाचार्य अजय कुमार गौतम, बीएलओ मामराज कुमावत, फूलचन्द कूड़ी, नानूराम यादव, सुभाष चन्द छीपा, गोगल राम जाट सहित कई लोग मौजूद रहे।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सितारा न्यूज ब्रीफ

पीएम की जनसभा में पहुंचे महावीर रांका, कहा- प्रदेश से कांग्रेस की विदाई तय

सितारा न्यूज नेटवर्क

उमेश कुमार मोदी/बीकानेर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीकानेर आगमन पर बीकानेर में भाजपा कार्यकताओं का उत्साह जबरदस्त रहा। पूर्व यूआईटी चैयरमेन महावीर रांका करीब एक हजार कारों के काफिले के साथ पीएम मोदी की जनसभा पहुंचे। भाजपा लघु उद्योग प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक महावीर रांका ने कहा कि बारिश के बाद सुहाने मौसम के साथ हजारों कार्यकताओं ने पीएम का स्वागत किया। 24 हजार करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण बीकानेर के लिए बड़ी सौगात है। भाजपा नेता युधिष्ठर सिंह भाटी ने कहा कि जनसभा में उमड़े जनसैलाब से साफ है कि प्रदेश से कांग्रेस की सरकार की विदाई सुनिश्चित है। जनसभा से पूर्व निकाली गई वाहन रैली के संयोजन में पवन महनोत, कुलदीप यादव, राजेन्द्र शर्मा, मधुसूदन शर्मा, प्रणव भोजक, तेजाराम राव, टेकचंद यादव, ओम राजपुरोहित, शंकरसिंह राजपुरोहित, संजय स्वामी, दिनेश चौधरी, राजेन्द्र व्यास, विकास महनोत, बादलसिंह, मघाराम सियाग, श्रवण नैन, सुभाष गोयल, निर्मल गहलोत, लक्की पंवार, शंभु गहलोत, यशराज यादव, लोकेश छाबड़ा, आनन्द सोनी, रमेश भाटी, पंकज गहलोत, भगवतीप्रसाद गौड़, श्रवण चौधरी, नन्दलाल गहलोत, ओमसिंह खीची, राधेश्याम नाई, मनोज गहलोत, अशोक रामपुरिया, नरपतसिंह भाटी, गौरीशंकर देवड़ा, बन्नाराम, बजरंग सियाग, जय उपाध्याय, पप्पू लखेसर, शिवलाल तेजी आदि जुटे रहे। इससे पूर्व शनिवार को सुबह पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के बीकानेर पहुंचने पर भाजपा नेता महावीर रांका ने स्वागत किया। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह, कृषि मंत्री कैलाश चौधरी आदि का भी अभिनन्दन किया गया।

एक दिवसीय निःशुल्क मनोरोग एवं नशा उपचार शिविर

सितारा न्यूज नेटवर्क

उमेश कुमार मोदी/बीकानेर। मानसिक रोगों व नशे की लत से छुटकारा पाने के लिए अब बीकानेर में भी एम्स, नई दिल्ली की तर्ज पर इलाज करवाना सम्भव हो गया है। हाल ही में मनोरोग एवं नशा उपचार सुपरस्पेशलिटी कोर्स में एम्स से डी.एम. की डिग्री धारक डॉ. अविनाश झाझड़िया अपने अस्पताल में दिनांक 9 - 7 - 2023 (रविवार)को प्रातः 11:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक एक निःशुल्क शिविर लगा रहे हैं। इस शिविर में डिप्रेशन, एंग्जाइटी, हिस्टीरिया जैसे दिमागी रोगों से ग्रसित निराश, चिंतित, डर व घबराहट युक्त जीवन जीने वाले लोगों को निःशुल्क परामर्श दिया जायेगा।

इसके साथ ही विभिन्न नशीले पदार्थों- शराब, स्मैक, अफीम, डोडा, तम्बाकू, चरस, गाँजा, भाँग आदि की जकड़न में फँसे लोगों को ऐसी लत से छुटकारा दिलाने के लिए भी निःशुल्क काउन्सलिंग व परामर्श दिया जायेगा। इस शिविर का आयोजन ह्लह्ल डॉ . अविनाश मनोरोग एवं नशा उपचार केन्द्र , प्लाट नं. 01 कर भवन के पास, सादुल कॉलोनी, बीकानेर में किया जायेगा।

यहाँ यह उल्लेखनीय है कि डॉ. झाझडिया एम्स, नई दिल्ली से नशा उपचार विज्ञान में डी.एम. की डिग्री प्राप्त कर सम्पूर्ण राजस्थान में कार्यरत पहले सुपर-स्पेशलिस्ट हैं।इसके अतिरिक्त दिल्ली स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल तथा मनोरोग एवं नशा मुक्ति के उत्तरी भारत के सबसे बडे. संस्थान "मानव व्यवहार एवं सम्बद्ध विज्ञान संस्थान (इहबास)" में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

सरमथुरा के युवा रक्तदाता कमल सिंह ने मुरैना में किया रक्तदान

सितारा न्यूज नेटवर्क

सरमथुरा/अंकित गोयल। उपखंड के गांव शीतलपुरा के युवा रक्तदाता कमलसिंह मीना रक्तदान के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए पिछले 06 साल से प्रयासरत है कमलसिंह मीना और सोच बदलो गांव बदलो टीम के अन्य साथी देश के कोने कोने में रहकर रक्तदान के प्रति जनजागृति का कार्य कर रहे है, सोच बदलो गांव बदलो टीम के साथियों ने 2017 में एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया था शुरूआत में ग्रुप में सिर्फ 1520 सदस्य थे धीरे धीरे लोगों में रक्तदान के प्रति जागृति आने लगी लोग जुड़ते गए वर्तमान में टीम के व्हाट्सएप ग्रुप में देश के कोने कोने से 400 सक्रिय रक्तदाता जुड़े हुए है जो एक दूसरे के सहयोग से आपातकाल में रक्तदान में मदद करते है, टीम के लोग पहले परिजनों को रक्तदान के प्रति मोटिवेट करते है अगर घर में कोई भी सदस्य रक्तदान में सक्षम नहीं होता है तो टीम के सदस्य जाकर रक्तदान करके मरीज को जीवनदान करते है, चाहे किसी का सड़क हादसा हो गया हो या डिलीवरी पेसेंट को या ब्लड कैंसर का मरीज हो या थेलीसेमिया का मरीज हो कोई कारण से ब्लड की कमी हो टीम के रक्तदाता आसपास के कॉर्डिनेटर से संपर्क कर मरीज को ब्लड उपलब्ध कराते है।

आज जौरा (मुरैना) मध्यप्रदेश की रहने बाली निशा की डिलीवरी के समय काफी ब्लीडिंग हो जाने की वजह से रक्त की कमी आ गई थी दो यूनिट परिजनों ने रक्तदान कर ब्लड बैंक से एक्सचेंज में ब्लड ले लिया था लेकिन अभी ब्लड की और जरूरत थी घर में ब्लड देने वाले तो थे लेकिन कही भी अ नेगेटिव ब्लड नही मिल रहा था, परिजनों ने मुरैना ग्वालियर और धौलपुर तक कोशिश की लेकिन ब्लड नही मिला आखिर में उनकी बात ग्वालियर के रक्तदाता दिनेश गुप्ता से हुई लेकिन उनके पास भी कोई अ नेगेटिव रक्तदाता नही था इसलिए उन्होंने सोच बदलो गांव बदलो टीम के रक्तदाता कमलसिंह मीना जो बानमोर में रेलवे में जॉब करते है उनको केश की स्थिति के बारे में बताया, उस समय कमलसिंह ड्यूटी में थे वह अपनी ड्यूटी खत्म करके घर जाने की बजाय सीधे ब्लड बैंक पहुंचे और अपने जीवन का 16वा रक्तदान कर मरीज को जीवनदान दिया। कमलसिंह मीना ने बताया कि लोग सोशल मीडिया का उपयोग सिर्फ टाइम पास के लिए करते है लेकिन अगर इसका सदुपयोग किया जाए तो हम मिलकर लोगों को जीवनदान भी से सकते है रक्तदान करने वाले साथियों में अधिकतर रक्तदाता साथियों से उनकी मुलाकात सोशल मीडिया के जरिए ही हुई है। इसलिए सोशल मीडिया का सदुपयोग करें।

भाजपा नेता डॉ सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में नौजवानों ने की पदयात्रा

सितारा न्यूज नेटवर्क

उमेश कुमार मोदी/बीकानेर। बीकानेर को 25000 करोड रुपए के आधारभूत ढांचे की सौगात देने आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद ज्ञापित करने हेतु बीकानेर के नौजवानों ने अनोखा तरीका इजाद किया। भाजपा नेता डॉ सुरेंद्र सिंह शेखावत के नेतृत्व में सैंकड़ों नौजवानों का जत्था बीकानेर से पदयात्रा करते हुए नोरंगदेसर सभा स्थल तक पहुंचा । दोपहर 12:00 बीकानेर से पैदल रवाना हुए युवा 4:30 बजे सभा स्थल पहुंचे और प्रधानमंत्री का अपने तरीके से आभार प्रकट किया । प्रधानमंत्री मोदी से व्यक्तिगत मुलाकात कर शेखावत ने उनका आभार प्रकट किया ।

इस अभिनव नवाचार का प्रयोग करने वाले डॉ सुरेंद्र सिंह ने बताया कि आजादी के बाद बीकानेर को अब तक की सबसे बड़ी सौगात प्रधानमंत्री ने दी है इसलिए बीकानेर वासियों का यह कर्तव्य बनता है कि प्रधानमंत्री का धन्यवाद ज्ञापित करें। हम नौजवानों ने इस अनूठे तरीके से हैं उनका धन्यवाद ज्ञापित करने की सोची और पैदल मार्च करते हुए सभा स्थल पहुंचे ।

भाजयुमो के पूर्व जिला अध्यक्ष विक्रम सिंह भाटी, भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री एडवोकेट अशोक कुमार भाटी, ऋषि मोहन जोशी ,सुभाष बाल्मीकि , सुनील मेघवाल , भानुप्रताप सिंह , राहुल बाल्मीकि , मोहम्मद रफीक, आतरीफ खान, सादुल सिंह रावत, सत्येंद्र सिंह ख्याली , विष्णु बंजारा, अजय बेनीवाल, अब्दुल हक, विशाल गहलोत ,अजय राठौड़, विश्वजीत सिंह , दीपक राठौड़, निरंजन गुजर सहित सैंकड़ों युवा पैदल मार्च में शामिल हुए।

सुदर्शन चक्र अभियान के तहत कंचनपुर पुलिस की कार्रवाई

सितारा न्यूज नेटवर्क

बाडी/अंकित गोयल। जिला धौलपुर के कंचनपुर थाना टीम की कार्यवाही पुरा सिकरोदा के पास बाबू महाराज चौराहे पर फायरिंग कर। दहशत फैलाने के आरोपी मनोज कुशवाह को किया गिरफ्तार कर कब्जे से 01 अवैध पिस्टल .32 बोर एवं 06 खाली खोखा 32 बोर किए जब्त ।कार्यवाही विवरण- पुलिस महानिरीक्षक भरतपुर रेज भरतपुर एवं पुलिस अधीक्षक धौलपुर मनोज कुमार चौधरी आईपीएस द्वारा वांछित अपराधीओ एंव असामाजिक तत्वो की धरपकड हेतू चलाये जा रहे। विशेष अभियान सुदर्शन चक्र के दौरान विजय कुमार सिहं आरपीएस वृताधिकारी वृत धौलपुर ग्रामीण सैपऊ के निकटतम सुपरविजन में अगंद शर्मा आरपीएस (प्रशिक्षु) थानाधिकारी पुलिस थाना कंचनपुर द्वारा मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुये मु०न० 229 / 23 धारा 143,323,341,504, 506, 336 ता0हि0 में थाना कंचनपुर में वांछित मुल० मनोज पुत्र किरोरीलाल उम्र 22 साल जाति कुशवाह निवासी बीधा पुरा थाना सैपऊ जिला धौलपुर को पुरा सिकरोदा मोड के पास से दस्तयाब कर बाद अनुसंधान जुर्म धारा 504, 506,336 ता०हि० व 3/25 आर्म्स एक्ट का अपराध प्रमाणित पाया जाने पर गिर० किया गया एंव मुल० की इत्तला पर वारदात में प्रयोग की गई 01 अवैध अवैध पिस्टल 32 बोर एंव 06 खाली कारतूस 32 बोर को बरामद कर सफलता अर्जित की गई।

भूमिका शुक्ला को विद्यालय परिवार ने चयन होने पर दी बधाई

भूमिका शुक्ला का एशियन गेम्स के कैंप में चयन

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। सितंबर में चाइना में होने वाले एशियन गेम्स के लिए भारतीय रग्बी टीम का सिलेक्शन होना है। उससे पहले कोलकाता में टीम का प्रशिक्षण कैंप आयोजित होगा। जो खिलाड़ी अच्छी परफॉर्मेंस से गुजरेगा उस खिलाड़ी को भारतीय टीम में जगह दी जाएगी। राजस्थान कि पहली महिला खिलाड़ी भूमिका शुक्ला निवासी विश्वकर्मा जयपुर का चयन भारतीय रग्बी टीम के प्रशिक्षण कैंप में हुआ है। हम आपको बता दें भूमिका शुक्ला ने बताया कि निदेशक सर ओम प्रकाश चौधरी और विद्यालय परिवार ने मुझे खेल के लिए प्रेरित किया और उन्होंने मेरी खेलों से संबंधित हर समस्या को समझाया। इसीलिए में विद्यालय परिवार को धन्यवाद देना चाहूंगी की उसी की बदौलत आज में भारतीय रग्बी टीम के कैंप में जाऊंगी। मुझे पूरी उम्मीद है कि में एशियन गेम्स में भारत का प्रतिनिधि करूंगी। शिव शक्ति पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल व एस के पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल के निदेशक ओम प्रकाश चौधरी ने भूमिका को एशियन गेम्स में पदक जीतकर लाने की बधाई दी। भूमिका को विद्यालय परिवार द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान देवेंद्र निठारवाल समाजसेवी, सतवीर सिंह भास्कर प्रदेशध्यक्ष राजस्थान निजी शिक्षण संघ, प्रधानाचार्य सुश्री बीना खर्रा, भूमिका की सरंक्षक माधुरी शर्मा, संध्या चौहान, सुनीता शर्मा, मनोज कुमार, धर्मेंद्र कुमार चौधरी, देवेंद्र सिंह, माधुरी शुक्ला, अनीता श्रीवास्तव, रविंद्र शर्मा, नरेंद्र सैनी, आकाश त्रिपाठी सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। भूमिका शुक्ला ने बताया कि यह कैंप 30 जुलाई से 20 सितंबर तक कोलकाता में होगा।

बसेड़ी विधायक रहेंगे 2 दिन क्षेत्र के दौरे पर

सितारा न्यूज नेटवर्क

सरमथुरा/अंकित गोयल। राजस्थान अनसूचित जाति अध्यक्ष एवं बसेड़ी बिधायक खिलाड़ी लाल वैरवा बसेड़ी बिधानसभा मै दिनांक 10-07-2023 सोमवार को क्षेत्र के दौरे पर रहेंगे। कांग्रेस नेता श्याम सुंदर शर्मा ने बताया दुपहर 12 बजे बिधायक कार्यलय पर जनसुनवाई करेंगे। दोपहर 3 बजे बिज्जो लाल शर्मा के पिताजी रामेश्वर दयाल के आकस्मिक निधन पर उनके घर पहुँचकर शोक संवेदना व्यक्त करेंगे। 3:30 बजे आंगई पुलिस चौकी से क्रमोनित हुए नवीन थाने का उद्धघाटन बसेड़ी बिधायक खिलाड़ी लाल वैरवा एवं धौलपुर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार, बाड़ी बिधायक गिर्राज सिंह मलिंगा एवं तमाम अधिकारियों के साथ नवीन थाने का उद्घाटन करेंगे। उसके उपरान्त बसेड़ी बिधानसभा की ग्राम पंचायत नक्शोदा के गाँव नादरोली मै बिधायक निधि से बनी हुई अथाई का उद्घाटन करेंगे एवं सभी ग्राम वासियों की जन समस्याओं को सुनेंगे। और सरमथुरा गैगसा ऐसोशियन के पदाधिकारी जाहिद खान के छोटे भाई की शादी मै शिरकत करेंगे। दूसरे दिन मंगलवार को 10 बजे बसेड़ी बिधायक कार्यलय पर जनसुनवाई करेंगे। बसेड़ी की ग्राम पंचायत मुड़िक के गांव मटमोरखी मैं जन समस्या सुनने के लिए विधायक आपके द्वार कार्यक्रम में पहुंचकर जन समस्या सुनेंगे। बसेड़ी की ग्राम पंचायत गुर्जा के गांव पिपरीपुरा में विद्यालय क्रमोन्नत होने पर विद्यालय के उद्घाटन समारोह के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में भाग लेंगे एवं आए हुए सभी लोगों की अधिकारियों के साथ जन समस्या सुनेंगे। बसेड़ी की ग्राम पंचायत खिड़ोरा के गांव सागोरी मैं क्रमोन्नत हुए विद्यालय के उद्घाटन समारोह के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में भाग लेंगे एवं जन समस्या सुनेंगे बाद में जयपुर के लिए रवाना होंगे

नव मतदाता एवं आम नागरिक को मतदान करने के लिए किया जागरूक

सितारा न्यूज नेटवर्क

सैपऊ/अंकित गोयल। बाड़ी विधानसभा क्षेत्र मैं चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे स्वीप कार्यक्रम जिला कलेक्टर के आदेशानुसार बाड़ी एसडीएम गिरधर सिंह मीणा के निर्देशन में स्वीप कार्यक्रम के प्रभारी हरवेंद्र सिंह मीणा द्वारा नव मतदाता एवं आम नागरिक को मतदान करने के लिए जागरूक किया एश्ट मशीन एवं श्ढअळ का प्रदर्शन किया गया जिसमें उनको बताया गया कि वोट कैसे डालते हैं आज 4 मतदान केंद्रों पर ईवीएम मशीन का प्रदर्शन किया गया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राजौरा खुर्द राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कैथरी राजकीय प्राथमिक विद्यालय घुघरई राजकीय प्राथमिक विद्यालय डूंगर वारा जिसमें चुनाव से संबंधित विभिन्न प्रकार की जानकारियां बताई गई लोगों को मतदान करने के लिए जागरूक किया गया जिसमें उपस्थित सह प्रभारी टीकम सिंह जाट वीडियोग्राफर अजीत सिंह तोमर एवं बीएलओ गंगा प्रसाद शर्मा रामभरोसी सिकरवार जदवीर सिंह बृजमोहन शर्मा भगवती प्रसाद राधाचरण उपस्थित रहे।

आवारा कुत्तों को पकड़वाने के लिए ईओ को दिया ज्ञापन

रींगस(अरविन्द कुमार)। रींगस कस्बे में दिन-प्रतिदिन आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक को लेकर कस्बे वासी भयभीत नजर आने लगे हैं कस्बे के चौपड़ बाजार से भैरुजी मंदिर जाने वाले रास्ते पर लोग आवागमन से कतराने लगे हैं। पिछले दो दिनों में शेढ माता मंदिर से संतोषी माता मंदिर के बीच आवारा कुत्तों ने स्कूल जाने वाले बच्चों सहित चार जनों को काट कर जख्मी कर दिया। आवारा कुत्तों को पकड़वाने की मांग को लेकर पार्षद सीताराम कुलदीप व वार्डवासी सुभाष कुमावत ने अधिशासी अधिकारी सीताराम कुमावत को ज्ञापन सौंपा। वार्डवासियों का आरोप है कि चौपड़ बाजार से भैरुजी मंदिर जाने वाले रास्ते पर आधा दर्जन से अधिक अवैध बूचड़खाने संचालित हो रहे हैं जिनकी वजह से दिनों-दिन आवारा कुत्तों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। वहीं अवैध बूचड़खानों की वजह से लोग मंदिर जाने से भी कतराने लगे हैं।

बालाजी साउंड कालवाड़ की शानदार प्रस्तुति

राजस्थान सरकार के महंगाई राहत कैंप के गाने से चर्चा में आए गायक घासीराम टोडावता

सितारा न्यूज नेटवर्क

कालवाड़। ग्राम पंचायत सरना चौड सांचोती के निवास घासीराम जाट ने अपनी आवाज से काफी लोगों को कायल किया। राजस्थान में चारों तरफ उनके गाने की सहारना की जा रही है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में मुख्यमंत्री की योजना महंगाई राहत कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप का मुख्य उद्देश्य गांव की जनता को दैनिक जीवन में काम में आने वाली सभी आवश्यक वस्तुओं में विशेष राहत प्रदान करना है। इसी कैंप से आकर्षित होकर सांचोती के गायक घासीराम जाट ने एक बहुत ही शानदार गाना तैयार किया। उन्होंने अपनी टीम के साथ मिलकर गाया। इसके बाद गाने को यूट्यूब प्लेटफार्म पर अपलोड किया गया। गाने को यूट्यूब चैनल बालाजी साउंड पर अपलोड किया गया जिसे हजारों की संख्या में व्यूज मिले और अभी भी गाने को हजारों की संख्या में व्यूज मिल रहे हैं। राजस्थान की जनता ने बालाजी साउंड की टीम व गायक घासीराम जाट को अद्भुत कलाकारी के लिए धन्यवाद दिया और आगे भी इसी प्रकार के गाने बनाने के लिए प्रेरित किया। इस गाने के निमार्ता निर्देशक राजू पचेरवाल व विशेष सहयोग ए. वी. वी. गारमेंट्स कालवाड का रहा।

हजारों की संख्या में मिले गाने को व्यूज

गायक घासीराम जाट राजस्थानी गानों के व भजनों के बहुत पुराने कलाकार है और बहुत पहले से भजन व राजस्थानी गानों की प्रस्तुति देते आ रहे हैं।

राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय में प्रवेशोत्सव रैली का हुआ आयोजन

छात्र छात्राओं ने हाथों में तख्तियां व बैनर लेकर निकाली रैली, जगाई शिक्षा की अलख

सितारा न्यूज नेटवर्क

चौमूं (सुनील कुमार पाराशर)। गोविंदगढ़ पंचायत समिति के ग्राम धोबलाई स्थित राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय में प्रवेशोत्सव रैली को लेकर कार्यक्रम आयोजित हुआ कार्यक्रम का श्री गणेश मुख्य अतिथि रमेशचंद शर्मा सरपंच ग्राम पंचायत धोबलाई व एसएमसी उपाध्यक्ष ललित शर्मा द्वारा विद्यालय में एक पौधा लगाकर प्रवेशोत्सव रैली का आगाज किया। तत्पश्चात उपस्थित महानुभावों व संस्था प्रधान हरिओम शर्मा द्वारा प्रवेशोत्सव रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया ।रैली धोबलाई ग्राम के मुख्य मार्गो द्वारा निकाली जा कर पुनः विद्यालय में पहुंचकर सम्पन्न हुई । रैली में बच्चों ने हाथों में तख्तियां व बैनर लेकर शिक्षा की अलख जगाते हुए पूरे जोश व उत्साह के साथ शिक्षा सफलता की कुंजी है जैसे शिक्षा से जुड़े अनेक जोशीले नारों सें ग्राम धोबलाई के मुख्य मार्गो को गुंजायमान कर दिया। संस्था प्रधान हरिओम शर्मा ने बताया कि रैली का मुख्य उद्देश्य अधिक से विद्यालय में अधिक नामांकन में वृद्धि करना हैं। इस मौके पर लीला पाराशर, सुनीता चौधरी ,मदन लाल झिंगोनिया, सुमन यादव, निकिता कुमावत, माया देवी किरण देवी सहित विद्यालय के अन्य स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे ।कार्यक्रम के अंत में संस्था प्रधान हरिओम शर्मा ने उपस्थित सभी महानुभावों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इनका कहना है

"प्रवेशोत्सव रैली का मुख्य उद्देश्य विद्यालय में अधिक से अधिक नामांकन में वृद्धि करना हैं।"

संस्था प्रधान, हरिओम शर्मा

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

दलीप ट्रॉफी : पश्चिम क्षेत्र फाइनल में पहुंचा, दक्षिण क्षेत्र से होगा खिताबी मुकाबला

बारिश के कारण पहली पारी में बढ़त के आधार पर हुआ फैसला

एजेंसी ▶▶| अलूर

पश्चिम क्षेत्र ने मध्य क्षेत्र के खिलाफ शनिवार को यहां ड्रा छूटे सेमीफाइनल मैच में पहली पारी की बढ़त के आधार पर दलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल 12 जुलाई से एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा जिसमें पश्चिम क्षेत्र का मुकाबला दक्षिण क्षेत्र से होगा। मध्य क्षेत्र 390 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चार विकेट पर 128 रन ही बना पाया।

बारिश के कारण चाय के विश्राम के बाद का खेल नहीं हो पाया। पश्चिम क्षेत्र के पास बाकी बचे छह विकेट हासिल करके जीत दर्ज करने का मौका था लेकिन बारिश के कारण ऐसा संभव नहीं हो पाया। पश्चिम क्षेत्र ने हालांकि पहली पारी में 92 रन की बढ़त हासिल की थी जो मैच ड्रॉ होने पर फाइनल में पहुंचने के लिए पर्याप्त थी।

पुजारा ने जमाया था शतक

पश्चिम क्षेत्र ने पहली पारी में 220 रन बनाए थे जिसके जवाब में मध्य क्षेत्र की टीम 128 रन ही बना पाई थी। भारतीय टीम से बाहर चल रहे चेतेश्वर पुजारा के 133 रन की मदद से पश्चिम क्षेत्र ने अपनी दूसरी पारी में 297 रन बनाए। मैच के चौथे और अंतिम दिन पश्चिम क्षेत्र ने अपनी दूसरी पारी नौ विकेट पर 292 रन से आगे बढ़ाई लेकिन इसमें केवल पांच रन जोड़ने के बाद की पूरी टीम आउट हो गई।

रिंकू सिंह ने बनाए 40 रन

बड़े लक्ष्य के सामने मध्य क्षेत्र में सलामी बल्लेबाज विवेक सिंह और हिमांशु मंत्री के विकेट जल्दी गंवा दिए जिससे इसको दो विकेट पर 17 रन हो गया। ध्रुव जुरेल (25) ने अच्छी शुरुआत की लेकिन बाएं हाथ के स्पिनर धर्मेंद्र जडेजा ने उन्हें विकेटकीपर हेत पटेल के हाथों स्टंप आउट करा दिया। इससे स्कोर तीन विकेट पर 55 रन हो गया। रिंकू सिंह ने 30 गेंदों पर 40 रन की तूफानी पारी खेली। बारिश के कारण जब मैच ड्रॉ करने का फैसला किया गया तब अमनदीप खरे 27 और उपेंद्र यादव 18 रन बनाकर खेल रहे थे।

दक्षिण क्षेत्र ने उत्तर क्षेत्र को दो विकेट से हराया

बेंगलुरु। तमिलनाडु के आर साई किशोर ने शनिवार को यहां बारिश से बाधित दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल के अंतिम रोमांचक दिन शानदार हरफनमौला प्रदर्शन किया जिससे दक्षिण क्षेत्र ने उत्तर क्षेत्र को दो विकेट से पराजित कर दिया। आसमान बादलों से भरा था, 215 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण क्षेत्र ने मयंक अग्रवाल की 54 और कप्तान हनुमा विहारी की 43 रन की पारी से इसके करीब पहुंचने की ओर कदम बढ़ाए।

बारिश के कारण दो बार खेल में खलल डली। इसमें से एक बार तो खेल करीब दो घंटे तक रूका रहा जो अंतिम सत्र से पहले था। दक्षिण क्षेत्र को तब जीत के लिए 32 रन की दरकार थी। पांच विकेट बचे थे। राणा और बलतेज के दोहरे झटकों से दक्षिण क्षेत्र का स्कोर आठ विकेट पर 213 रन हो गया था, टीम ने महज 22 रन के अंदर चार विकेट गंवा दिए। साई किशोर ने नाबाद 15 रन बनाकर फिनिशर की भूमिका निभाई।

खबर संक्षेप

मनिका की प्री क्वार्टर में संघर्षपूर्ण हार

लजुब्लजाना। भारतीय टेबल टेनिस स्टार मनिका बत्रा यहां डब्लूटीटी स्टार कंटेंडर लजुब्लजाना टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में रोमानिया की बर्नाडेट सजोक्स के खिलाफ संघर्षपूर्ण मुकाबले में हार गईं। प्रतियोगिता में इससे पहले विश्व में 15वें नंबर की चेन आई-चिंग को हराने वाली मनिका अंतिम 16 के मुकाबले में विश्व में 17वें नंबर की अपनी प्रतिद्वंद्वी से 4-11, 11-9, 7-11, 11-9, 8-11 से हार गई। मनिका अभी विश्व रैंकिंग में 36वें स्थान पर काबिज हैं लेकिन यहां प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचने पर उनकी रैंकिंग में सुधार होने की संभावना है।

मुश्ताक अली ट्रॉफी में प्रति ओवर दो बाउंसर की अनुमति

मुंबई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने टी20 प्रारूप में बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में एक ओवर में दो बाउंसर करने की अनुमति दे दी है। बीसीसीआई ने शनिवार को यह घोषणा की। यह फैसला शुक्रवार को बीसीसीआई की शीर्ष परिषद की बैठक में लिया गया। बीसीसीआई ने बयान में कहा, 'बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए बीसीसीआई ने आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में प्रति ओवर में दो बाउंसर की अनुमति देने का फैसला किया है।'

विंबलडन : छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने तीन सेट में जीता मैच

बोपन्ना-एबडेन का जीत से आगाज जोकोविच चौथे दौर में, मरे बाहर

एजेंसी ▶▶| विंबलडनी

भारत के रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के उनके पुरुष युगल जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन ने यहां अर्जेंटीना के गुइलेर्मो डुरान और टॉमस एचेवेरी की जोड़ी को एक संघर्षपूर्ण मैच में हराकर विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया। भारत और ऑस्ट्रेलिया की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने पहले दौर के मैच में अर्जेंटीना की जोड़ी को 6-2, 6-7 (5-7), 7-6 (10-8) से हराया। यह मैच दो घंटे 12 मिनट तक चला।

इस साल की शुरुआत में एटीपी टूर पर दो युगल खिताब जीतने वाले 43 वर्षीय बोपन्ना और 35 वर्षीय एबडेन का अगला मुकाबला रविवार को जैकब फर्नले और योहानस मंडे की गैर वरीय ब्रिटिश जोड़ी से होगा।

बोपन्ना और एबडेन ने फरवरी में कतर ओपन का खिताब जीता जबकि मार्च में भारतीय खिलाड़ी अमेरिका में इंडियन वेल्स में मास्टर्स सीरीज टूर्नामेंट (एटीपी1000) जीतने वाला सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बना था। बोपन्ना ने तब कनाडा के डेनियल नेस्टर का रिकॉर्ड तोड़ा था, जिन्होंने 2015 में 42 साल की उम्र में सिनसिनाटी मास्टर्स का खिताब जीता था।

महान टेनिस खिलाड़ी हेनिन को आईटीएफ का सर्वोच्च पुरस्कार

लंदन। अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ ने जस्टिन हेनिन को अपने सर्वोच्च पुरस्कार 'फिलिप चैटरियर अवार्ड' से नवाजा। यह पुरस्कार आईटीएफ के पूर्व अध्यक्ष के नाम पर शुरु किया गया जो कोर्ट के अंदर और बाहर खेल में शानदार योगदान के लिए दिया जाता है। हेनिन ने सात ग्रैंडस्लैम एकल खिताब जीते हैं, इसके अलावा उनके नाम ओलंपिक स्वर्ण पदक भी है। वह बेल्जियम की उस टीम का हिस्सा थीं जिसने 2001 में फेड कप जीता था जिसे अब 'बिली जीन किंग कप' कहा जाता है। आईटीएफ अध्यक्ष डेविड हैगर्टी ने शनिवार को कहा, 'वह कोर्ट पर अपनी पीढ़ी की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शुमार थीं और संन्यास लेने के बाद भी उन्होंने सभी स्तर पर हमारे खेल में बेहतरीन योगदान दिया है।'

नोवाक ने वावरिंका को हराया

विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज सर्बियाई स्टार नोवाक जोकोविच ने स्टैन वावरिंका को 6-3, 6-1, 7-6 से हराकर चौथे दौर में प्रवेश किया। शुक्रवार की रात मुकाबले में 23 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता जोकोविच अंतिम टाईब्रेकर में 5-3 से पिछड़ रहे थे, लेकिन उन्होंने दबदबा बनाते हुए आखिरी चार अंक अपनी झोली में डालकर अपने लगातार पांचवें विम्बलडन खिताब की ओर कदम बढ़ाए।

मरे दो दिन तक संघर्ष कर हारे

ब्रिटिश खिलाड़ी एंडी मरे का सफर दो दिन तक चले दूसरे दौर के मैच में पांच सेट तक चले मुकाबले में खत्म हो गया। दो बार के विम्बलडन चैम्पियन मरें को साढ़े चार घंटे से भी ज्यादा समय में स्टेफानोस सिटसिपास ने 7-6 (3), 6-7 (2), 4-6, 7-6 (3), 6-4 से पराजित किया। ब्रिटेन के दो अन्य खिलाड़ी कैम नौरी और वाइल्ड कार्ड से प्रवेश करने वाले लियाम ब्रॉडी भी टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं।

सिंधू की आसान जीत, लक्ष्य ने भी सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| कैलगारी

राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करके यहां कनाडा ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली सिंधू ने शुक्रवार की रात को खेले गए महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में फैंग जी को आसानी से 21-13, 21-7 से हराया।

■ कनाडा ओपन : सिंधू ने फैंग जी को 21-13, 21-7 से हराया

यह इस खिलाड़ी के खिलाफ उनकी चार मुकाबलों में पहली जीत है। सेन ने पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जर्मन क्वालीफायर जूलियन कैरागी को 21-8, 17-21, 21-10 से हराया। सिंधू का मुकाबला अब दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी जापान की यामागुची से जबकि सेन का जापान के ही चौथी वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो से होगा। पीवी सिंधू का जापान की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के खिलाफ रिकॉर्ड 14-10 है। इन दोनों के बीच पिछला मुकाबला पिछले साल सिंगापुर ओपन में खेला गया था जिसमें जापानी खिलाड़ी ने जीत दर्ज की थी। दूसरी तरफ सेन का निशिमोतो के खिलाफ रिकॉर्ड 1-1 से बराबर है।

सिंधू और फैंग के मैच का रोमांच

सिंधू ने फैंग जी के खिलाफ अच्छी शुरुआत की और 5-1 से बढ़त हासिल कर ली। इंटरवल तक भारतीय खिलाड़ी 11-6 से आगे थी। सिंधू ने कोर्ट को अच्छी तरह से कवर किया। फैंग जी ने इसके बाद वापसी की कोशिश की और स्कोर 12-16 कर दिया लेकिन सिंधू ने उन्हें आगे मौका नहीं दिया और पहला गेम आसानी से अपने नाम किया। फैंग जी ने दूसरे गेम के शुरू में 5-1 से बढ़त बनाई लेकिन सिंधू ने जल्द ही वापसी की और इंटरवल तक वह 11-5 से आगे थी। इसके बाद उन्होंने मैच जीतने में देर नहीं लगाई।

बिजनेस साइट

नाबार्ड ने पंचायती राज संस्थानों में यूपीआई को अपनाने की मीटिंग

रायपुर। वित्तीय सेवाएं विभाग (डीएफ़एस) के अनुरोध पर नाबार्ड ने क्षेत्रीय कार्यालय में शनिवार को मीटिंग किया है। इसमें क्षेत्रीय कार्यालय में पंचायती राज संस्थानों (पीआरआई) द्वारा यूपीआई आधारित कैशलेस लेनदेन को अपनाने से पहले हितग्राहियों से चर्चा किया है। इसका उद्देश्य प्रदेश में पंचायती राज संस्थानों में भीम-यूपीआई को अपनाने और सुविधा प्रदान करना था। प्रदेश में 11654 ग्राम पंचायतें, 146 ब्लॉक पंचायतें और 27 जिला पंचायतें हैं। मीटिंग में नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक डॉ. ज्ञानेंद्र मणि और निदेशक शीतल शास्वत ने कई तरह के दिशा-निर्देश दिए। इस बैठक में महाप्रबंधक शीतांशु शेखर, शैली जमुआर, उप महाप्रबंधक ध्रुबराज सिंह, बीपी मिश्रा ने राज्य ग्रामीण बैंक और एसबीआई पेमेंट सिस्टम से जुड़े अधिकारियों को भी शामिल किया गया। इनके बीच मीटिंग की शुरूआत एनपीसीआई की एक प्रस्तुति के साथ हुई। इसमें भीम-यूपीआई, क्यूआर कोड और कैशलेस लेनदेन को अपनाने की प्रक्रिया से जुड़े विषयों को शामिल किया गया। डॉ. मणि ने पंचायती राज मंत्रालय के आदेश को डीएफएस द्वारा दोहराए जाने के बारे में जानकारी दी। सभी हितधारकों को सुनिश्चित करने के लिए कहा कि सभी पीआरआई 15 अगस्त 2023 तक यूपीआई के अनुरूप हों और राज्य सरकार से आग्रह किया कि 15 अगस्त 2023 को पीआरआई को भीम-यूपीआई अनुवर्ती के रूप में घोषित करें। निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए उनके बैंक खातों को यूपीआई प्लेटफॉर्म से जोड़ने के लिए अपने संबंधित बैंकों से यूपीआई आईडी/वीपीए प्राप्त करने के लिए संपर्क करना होगा है। इससे खाता लिंक भुगतान सुविधा मिलेगी।

नारायणा हॉस्पिटल के डॉ.गौरव खेमका ने की अति दुर्लभ सर्जरी

रायपुर। अभी तक हम 14 साल की उम्र के बच्चे के जबड़े में सामान्यतः 32 दाँत ही सुनते आए हैं, लेकिन कांकेर निवासी नकुल के केवल ऊपरी जबड़े में ही असामान्य रूप से ऊगे छोटे-बड़े 32 दांतो यानी कुल 58 दांतों को देखकर सभी अचंभित रह गए। मरीज के पिता ने बताया कि एक साल पहले नकुल के ऊपरी जबड़े में सूजन आने लगी थी। दर्द तो ज्यादा नहीं था, लेकिन ऊपरी जबड़ा कुछ असामान्य सा था। उसके पैदायशी दांत अभी तक टूटे नहीं थे। युवा के पक्के दांत अभी तक नहीं आए थे। इसी परेशानी को लेकर लोकल स्तर पर दिखाया जहां एक्स-रे एवं सीटी स्कैन में पता चला कि बच्चे के ऊपरी जबड़े में ट्यूमर है। इसका इलाज वहां नहीं था, अतः हम लोग देवेंद्र नगर स्थित श्री नारायणा हॉस्पिटल के मैक्सिलोफेशियल सर्जन डॉ.गौरव खेमका के पास पहुंचे। उन्होंने बच्चे की सघन जांच में पाया कि उसके जबड़े में एक दुर्लभ किस्म का ट्यूमर है। जिसे ऑपरेट करने में डॉ. खेमका की टीम को 2 घंटे से भी ज्यादा समय लग गया। हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ.सुनील खेमका ने बताया कि चेहरे एवं दांतो की हर प्रकार की विकृतियों को सामान्य रूप देने के लिए मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग में कई एडवांसमेंट हुए हैं। इसमें टीएम ज्वाइंट सर्जरी, ओरल कैंसर जैसी जटिल सर्जरी एवं सड़क दुर्घटना में हुए चेहरे एवं जबड़े के फ्रैक्चर की सभी प्रकार की अत्याधुनिक सर्जरी की सुविधा उपलब्ध हैं।

एशेज सीरीज : इंग्लैंड जीत से 224 रन दूर

हेडिंग्ले। एशेज सीरीज का तीसरा टेस्ट हेडिंग्ले में खेला जा रहा है। शनिवार को खेल समाप्त होने के समय इंग्लैंड ने दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 27 रन बना लिए हैं। उसे ऑस्ट्रेलिया ने 251 रन का लक्ष्य दिया है। उसकी टीम दूसरी पारी में 224 रन ऑलआउट हो गई। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 263 और इंग्लैंड ने 237 रन बनाए थे। कंगारू टीम को पहली पारी में 26 रन की बढ़त मिली थी। बेन डकेट 18 और जैक क्रॉली नौ रन बनाकर नाबाद हैं। इससे पहले तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया की टीम अपने दूसरे दिन के स्कोर चार विकेट पर 116 रन से आगे खेलने उतरी। वह 224 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह इंग्लैंड को जीत के लिए 251 रन का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरी पारी में ट्रेविस हेड ने सबसे ज्यादा 77 रन बनाए।

एशियाई खेल : वीरधवल सहित 36 सदस्यीय तैराकी दल की घोषणा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पूर्व कांस्य पदक विजेता वीरधवल खाड़े सहित 36 सदस्यीय तैराकी दल सितंबर-अक्टूबर में हांगझोउ में होने वाले एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा।

भारतीय तैराकी महासंघ (एसएफआई) ने शनिवार को टीम की घोषणा की जिसमें तैराकी में 21, डाइविंग में दो और वाटरपोलो में 13 सदस्य शामिल हैं। वाटरपोलो टीम के खिलाड़ियों के नाम की घोषणा नहीं की गयी है। अनुभवी खाड़े के अलावा 12 सदस्यीय पुरुष तैराकी टीम में साजन प्रकाश और श्रीहरि नटराज की स्टार जोड़ी भी शामिल है। खाड़े ने 2010 के एशियाई खेलों में 50 मीटर बटरफ्लाई में कांस्य पदक जीता था। टीम में अनीश गौड़ा और हाल ही में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में चार राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम करने वाले आर्यन नेहरा को भी शामिल किया गया है।

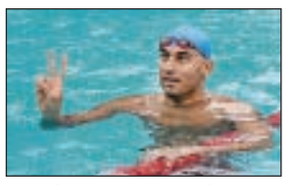

भारतीय टीम

तैराकी पुरुष : अनीश गौड़ा, अद्वैत पेज, आर्यन नेहरा, आनंद ए एस, कुशाग्र रावत, लिखित एस पी, साजन प्रकाश, श्रीहरि नटराज, तनिष जॉर्ज मैथ्यू, उत्कर्ष पाटिल, विशाल गेवाल और वीरधवल खाड़े।
तैराकी महिला : अनन्या नायक, धीनिधि देसिंघु, हशिका रामचंद्रन, लिनयेश ए के, माना पटेल, नीना वेंकटेश, पलक जोशी, शिवांगी सरमा और वृति अग्रवाल।
डाइविंग पुरुष: सिद्धार्थ बजरंग परदेशी, हेमन लंदन सिंह। वाटर पोलो के 13 खिलाड़ी।

गुरबाज और जदरान की रिकॉर्ड साझेदारी से जीता अफगानिस्तान

एजेंसी ▶▶| चटगांव

सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज (145) और इब्राहिम जदरान (100) ने रिकॉर्ड 256 रन की साझेदारी की। इसके दम पर अफगानिस्तान ने तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के दूसरे मैच में शनिवार को यहां बांग्लादेश को 142 रन से शिकस्त देकर 2-0 की अजेय बढ़त बना ली।

अफगानिस्तान ने नौ विकेट पर 331 रन का बड़ा स्कोर खड़ा करने के बाद बांग्लादेश की पारी को 43.2 ओवर में 189 रन पर समेट दिया। रनों के लिहाज से यह अफगानिस्तान की तीसरी सबसे बड़ी जीत है। लिटन दास की अगुवाई में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया लेकिन अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाजों ने उनके फैसले को गलत साबित कर दिया। गुरबाज और जदरान की 256 रन की साझेदारी अफगानिस्तान के लिए एकदिवसीय में किसी भी विकेट के लिए सर्वश्रेष्ठ साझेदारी है। इससे पहले यह रिकॉर्ड करीम सादिक और मोहम्मद शहजाद के नाम था जिन्होंने 2010 में स्कॉटलैंड के खिलाफ दूसरे विकेट के लिए 218 रन की अटूट साझेदारी की थी।

एसएमसी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने किया सफल सेमीनार

रायपुर। एसएमसी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में सेमीनार का आयोजन एक निजी होटल में किया गया। इसमें प्रमुख वक्ता रही एसएमसी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की डायरेक्टर एवं महिला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर प्रज्ञा सूर्यवंशी ने चैलेंजिंग केसेस इन इनफर्टिलिटी विषय प विशेष जानकारी साझा किया। सेमीनार में हॉस्पिटल के जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ सौरभ खरे ने भी जॉई रिप्लेसमेंट और ऑर्थरायटिस प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। न्यूरो सर्जन डॉ घनश्याम सासापारधी ने हेड इंजरी और स्ट्रोक के बारे में विस्तार से चिकित्सकों के बीच अनुभव साझा किया। डॉ वैभव सिंह ने लेजर एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन को किस तरह से नई तकनीक का इस्तेमाल करना चाहिए और इससे लोगों को फायदा मिलेगा, इसकी जानकारी दी। इसमे आईएमए के अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता, सचिव डॉ. दिग्विजय सिंह एवं क्षेत्र के प्रतिष्ठित चिकित्सक भी मौजूद थे। डॉ सतीश सूर्यवंशी ने बताया की हाल में राष्ट्रीय कोरोनरी इंटरवेंशनल (जिओप्लास्टी) संस्थान द्वारा सभी राज्यों के एजिओप्लास्टी के आंकड़ों का सर्वे किया गया था। इसमे एसएमसी अस्पताल को एंजियोप्लास्टी के लिए पुरे प्रदेश में प्रथम स्थान मिला। डॉ सूर्यवंशी ने संस्थान को मिले इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए सभी चिकित्सकों और सहयोगी डॉक्टरों, नर्सों को इसका श्रेय दिया।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच जान लें निवेश का गोल्डन रूल

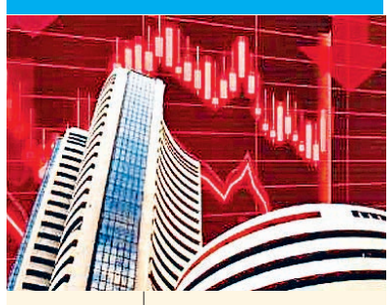

सुझाव | बिजनेस डेस्क

- अपने एसेट एलोकेशन को तय करें
- उतार-चढ़ाव पर ज्यादा ध्यान देने की बजाय निवेश पर फोकस करें
- लंबी अवधि का ध्यान रखकर ही शेयर बाजार में पैसे लगाएं

इक्विटी मार्केट एक निवेश के लिए एक दिलचस्प जगह है। लंबी अवधि के निवेश की बात करें तो इक्विटी सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली एसेट रही है। इसने निवेशकों को बैंक डिपॉजिट के मुकाबले दोगुने से भी ज्यादा रिटर्न दिया है, लेकिन अगर मार्केट रेगुलेटर सेबी की एक हालिया स्टडी देखें तो पता चलता है कि इक्विटी मार्केट में 85% से अधिक ट्रेडर्स के पैसे डूबे हैं यानी उन्हें नुकसान उठाना पड़ा है। क्या यह एक विरोधाभास नहीं है? आखिर इक्विटी मार्केट में निवेश करने का सबसे अच्छा तरीका क्या है, जिससे निवेशकों को मुनाफा हो?

निवेशकों के मन में सबसे आम सवाल यह रहता है कि क्या यह निवेश करने का सही समय है? आप अखबारों की सुर्खियां पढ़कर यह तय नहीं करते हैं कि आपको आज इक्विटी खरीदनी चाहिए या कल इक्विटी बेचनी चाहिए। इसके बजाय, खुद से यह पूछना चाहिए कि आप कितने समय तक बाजार में अपना निवेश बनाए रहने को तैयार हैं।

कितना उठा सकते हैं जोखिम

आप बाजार का कितना जोखिम उठा सकते हैं। तभी आपकी इन्वेस्टमेंट जर्नी शुरू होती है। अगर अगले 6 महीनों में आपको इमरजेंसी में फंड की जरूरत पड़ सकती हैं, तो इन 6 महीनों में इक्विटी से बिल्कुल दूर रहें, लेकिन अगर आपके निवेश का लक्ष्य लंबी अवधि का है तो इक्विटी पर नजर डाल सकते हैं। यानी मौजूदा समय में निवेशकों को लंबी अवधि का ध्यान रखकर ही शेयर बाजार में पैसे लगाने चाहिए।

शॉर्ट टर्म में अस्थिर

साथ ही, याद रखें कि बाजार शॉर्ट टर्म में स्वाभाविक रूप से अस्थिर होते हैं और अभी भी ऐसा ही रहेगा। निगेटिव खबरों या सेंटीमेंट के चलते बाजार में कुछ गिरावट आ सकती है, लेकिन बाजार हमेशा के लिए नीचे नहीं बने रहते। सेंटीमेंट बेहतर होने पर उनमें अच्छी खासी तेजी आती है। ऐसे में एक लंबी अवधि के निवेशक के लिए, यह समय इक्विटी में पैसा लगाकर लंबी अवधि में दौलत बढ़ाने के अवसर की तरह है। जैसा कि दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे कहते हैं कि जब दूसरों को बाजार में डर लग रहा हो तो लालची बनें और जब दूसरों का लालच बढ़ रहा हो तो शेयर बेच दें।

यह रूल अपनाएं

इक्विटी का गोल्डन रूल यह है कि आप अपने एसेट एलोकेशन को तय करें और रोज रोज की कीमतों के उतार-चढ़ाव पर ज्यादा ध्यान देने की बजाय अपने निवेश के लक्ष्य पर बने रहें। म्यूचुअल फंड बाजार के जोखिम को कम करने के लिए एसआईपी और एसटीपी जैसे कई विकल्प प्रदान करते हैं-क्योंकि बाजार के अलग अलग लेवल पर खरीदारी करने से निवेशकों को रुपये की औसत लागत का लाभ मिलता है। साथ ही, अपने एसेट अलोकेशन और निवेश के विकल्पों को तय करने में सहायता के लिए प्रोफेशनल एडवाइजर्स और म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स की सेवाओं का उपयोग करें। निवेशकों को कोई भी निवेश फैसले लेने से पहले अपने वित्तीय सलाहकारों से सलाह लेनी चाहिए।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

रियल एस्टेट में मोटा पैसा, मकान या दुकान मुनाफा ही देकर जाएंगे

रियल एस्टेट में पैसा लगाना हमेशा से ही फायदे का सौदा माना जाता रहा है। समय के साथ कीमत में बढ़ोतरी, किराये के रूप में आमदनी और कभी भी बेचने की सहूलियत के कारण इसे एक बेहतरीन निवेश का विकल्प माना जाता है। प्लॉट हो, मकान हो, दुकान हो या खेत की जमीन हो हमेशा मुनाफा ही देकर जाएंगी। हालांकि इस क्षेत्र में निवेश से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना भी जरूरी है। जानकारों का कहना है कि यह ऐसा क्षेत्र है जो आपको नुकसान नहीं होने देगा। अगर आप भी प्रॉपर्टी से पैसा कमाना चाहते हैं तो आपको भी कोई घर-दुकान खरीदने से पहले कुछ बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए। रियल एस्टेट में फ्री होल्ड और लीज होल्ड प्रॉपर्टी शब्द काफी अहम हैं। ये सीधे प्रॉपर्टी के टाइटल यानी मालिकाना हक से जुड़े हैं। ये दोनों टर्म सभी तरह की प्रॉपर्टी पर लागू होते हैं, फिर चाहे प्लॉट हो, उस पर बनी बिल्डिंग, अथॉरिटी के फ्लैट, ग्रुप हाउसिंग सोसायटी फ्लैट या इंडिपेंडेंट फ्लोर। बड़े शहरों में फ्री-होल्ड के साथ लीज होल्ड प्रॉपर्टी की अच्छी खासी तादाद है। इस रिपोर्ट के जरीये जानते हैं कि कोई भी प्रॉपर्टी खरीदने पहले किन किन चीजों का ध्यान रखना जरूरी है।

खास बातें

- प्रोपर्टी में निवेश से पहले कुछ बातों का रखना होगा ध्यान
- पुराने जमाने से ही यह क्षेत्र बढ़िया कमाई का क्षेत्र रहा
- फ्री होल्ड और लीज होल्ड की कुछ बातें जरूर जान लें

फ्री होल्ड प्रॉपर्टी

फ्री होल्ड प्रॉपर्टी से मतलब है कि प्रॉपर्टी का मालिकाना हक यानी ओनरशिप राइट्स हमेशा आपके पास रहते हैं। आपके बाद वे आपके कानूनी वारिस को ट्रांसफर हो जाते हैं। यानी पीढ़ियों तक प्रॉपर्टी के इस्तेमाल, निर्माण और बेचने के अधिकार आपके परिवार पास रहेंगे। भारत में ज्यादातर प्रॉपर्टी फ्री होल्ड हैं। उदाहरण के लिए, बिल्डर ने सीधे किसी किसान से जमीन खरीदी और उस पर फ्लैट या घर बनाकर खरीदार को बेच दिया। ऐसे में बिल्डर के पास जो मालिकाना हक थे, वो पूरी तरह खरीदार को ट्रांसफर हो जाएंगे। फ्री होल्ड प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त सेल डीड, कन्वेयन्स डीड या रजिस्ट्री के जरिए होती है।

लीज होल्ड प्रॉपर्टी

लीज होल्ड प्रॉपर्टी से मतलब ऐसी प्रॉपर्टी से है, जिसमें मालिकाना हक फिक्स्ड टाइम पीरियड के लिए खरीदार को दिए जाते हैं। लीज होल्ड प्रॉपर्टी में मालिक स्टेट यानी सरकार या फिर उसकी कोई एजेंसी होती है। उदाहरण के लिए, नोएडा में किसान से जमीन अथॉरिटी खरीदती है फिर उसे बिल्डर या घर खरीदार को फिक्स्ड टाइम के लिए लीज पर दिया जाता है. यह लीज 30, 99 या 999 साल की होती है। रेसिडेंशियल प्रॉपर्टी में लीज की अवधि आमतौर पर 99 साल होती है। इस अवधि के बीतने के बाद या तो प्रॉपर्टी का मालिकाना हक सरकार के पास चला जाएगा या लीज बढ़ा दी जाएगी। लीज को 999 साल तक बढ़ाया जा सकता है। लीज होल्ड प्रॉपर्टी की डील लीज डीड के जरिए होती है।

नफे-नुकसान का गणित

फ्री होल्ड
ऐसी प्रॉपर्टी में पूरी ओनरशिप खरीदने वाले को ट्रांसफर होती है। ऐसी प्रॉपर्टी में आप रह सकते हैं, आसानी से बेच सकते हैं, किराए पर उठा सकते हैं।

लीज होल्ड
ऐसी प्रॉपर्टी में मालिक ज्यादातर सरकार ही रहती है। इस प्रॉपर्टी को आप लीज पीरियड तक इस्तेमाल कर सकते हैं, किराए पर उठा सकते हैं या बेच सकते हैं। लीज खत्म होने पर प्रॉपर्टी सरकार के पास चली जाएगी। लीज होल्ड प्रॉपर्टी को ट्रांसफर यानी बेचने के लिए अथॉरिटी से एनओसी लेने और ट्रांसफर चार्ज देने की जरूरत पड़ती है। स्ट्रक्चर में बदलाव के लिए भी मंजूरी चाहिए।

फ्री होल्ड पर आसानी से मिलता है लोन

फ्री होल्ड प्रॉपर्टी को गिरवी रखकर आसानी से लोन लिया जा सकता है, जबकि लीज होल्ड प्रॉपर्टी के मामले में बैंक आमतौर पर 30 साल से कम की लीज होने पर लोन नहीं देते। जैसे-जैसे लीज खत्म होने का पीरियड नजदीक आने लगेगा, बैंक लोन देने में आनाकानी करेंगे या ज्यादा इंटरेस्ट चार्ज करेंगे।

फ्री होल्ड पर टैक्स भी कम

फ्री होल्ड प्रॉपर्टी में आपको सरकार को प्रॉपर्टी टैक्स देना होता है, जिसका इस्तेमाल सड़क, फुटपाथ, पार्क जैसी कॉमन यूज की चीजों के मेंटेनेंस में किया जाता है. लीज होल्ड प्रॉपर्टी में ग्राउंड रेंट या लीज रेंट देना होता है, जो प्रॉपर्टी टैक्स से ज्यादा होता है. हर शहर में इसके रेट अलग-अलग हैं।

फ्री होल्ड थोड़ी महंगी

लीज होल्ड प्रॉपर्टी के मुकाबले फ्री होल्ड प्रॉपर्टी महंगी होती हैं, चाहे वो सरकार बेच रही हो या प्राइवेट बिल्डर। सरकार प्राइवेट बिल्डर को भी जमीन लीज पर दे सकती है। बिल्डर को जमीन सस्ते में मिलती है तो वो उस पर फ्लैट या इंडिपेंडेंट हाउस बनाकर सस्ते में बेचता है। हालांकि, इसका नुकसान यह है लीज रिन्यू कराते वक्त चार्ज काफी ज्यादा हो सकते हैं, क्योंकि आज से 99 साल बाद लीज रिन्युअल चार्ज कितना होगा यह बता पाना मुश्किल है।

फ्री होल्ड प्रॉपर्टी ज्यादा फायदेमंद

प्राइस एप्रिसिएशन यानी रिटर्न के मामले में भी फ्री होल्ड प्रॉपर्टी बाजी मारती है। फ्री होल्ड प्रॉपर्टी की कीमत अच्छी बढ़ती है। लीज होल्ड प्रॉपर्टी के मामले में प्रॉपर्टी एप्रिसिएशन शुरू में अच्छा हो सकता है, लेकिन जैसे-जैसे लीज खत्म होने वक्त नजदीक आता जाएगा प्रॉपर्टी के दाम घटने शुरू हो जाएंगे। ऐसे में प्रॉपर्टी खरीदते समय सबसे पहले पता करें कि प्रॉपर्टी लीज होल्ड या फ्री होल्ड। कोशिश करें कि फ्री होल्ड प्रॉपर्टी ही खरीदें भले ही ये महंगी पड़ेगी लेकिन आप अपने बाद आने वाली पीढ़ी के लिए प्रॉपर्टी बनाकर जाएंगे।

अपने अंदाज में जी सकेंगे जिंदगी की दूसरी पारी, बुढ़ापे की सभी चुनौतियों से आसानी से निपट सकेंगे

एसआईपी और एसडब्ल्यूपी के साथ करें रिटायरमेंट की प्लानिंग

जानकारी | बिजनेस डेस्क

महंगाई और लीविंग कास्ट लगातार बढ़ने के बाद भी बहुत से ऐसे लोग हैं, जिनके लिए रिटायरमेंट प्लानिंग पहली प्राथमिकता नहीं है। वे रिटायरमेंट के लिए लॉन्ग टर्म प्लानिंग तो करते हैं, लेकिन बीच-बीच में लक्ष्य से भटक जाते हैं, जिससे तय समय पर तय किया गया टारगेट हासिल करना मुश्किल हो जाता है। इससे रिटायरमेंट की बात की जिंदगी वर्किंग ईयर की तुलना में कुछ चुनौतियों वाली हो जाती हैं। इसलिए जरूरी है कि समय रहते ही प्राथमिकता देकर सही तरीके से इसके लिए प्लानिंग करें। एसआईपी और सिस्टेमैटिक विद्ड्रॉल प्लान यानी एसडब्ल्यूपी के साथ करें रिटायरमेंट की प्लानिंग करने से सभी परेशानियों से मुक्ति पा सकते हैं। वैसे भी जिस तरह से हेल्थकेयर की सुविधाएं बढ़ने से देश में औसत आयु में इजाफा हुआ है, जिसके चलते रिटायरमेंट के बाद की लाइफ 30 साल या इससे भी ज्यादा हो सकती है।

उदाहरण से ऐसे समझें

मान लिया कि आप वर्किंग हैं और यह प्लान किया है कि रिटायरमेंट जल्दी लेनी है और उसके बाद दुनिया की सैर करनी है। इसके लिए आप 20 साल या 30 साल का लक्ष्य रखकर फाइनेंशियल प्लानिंग शुरू करते हैं, लेकिन बीच-बीच में दूसरी अन्य जरूरतें आ जाने से लक्ष्य में बदलाव होता रहता है। इस केस में 20 साल 30 साल जो भी, उस समय तक आपका रिटायर होने के लिए फाइनेंशियली पूरी तरह से तैयार नहीं हो पाते। इसके चलते आप जो रिटायरमेंट पहले लेना चाहते थे, उसकी समय सीमा बढ़ाते जाते हैं।

लाइफ की दूसरी पारी में बड़ी चुनौतियां

चुनौतियां सिर्फ वर्किंग इयर्स के दौरान अर्निंग को लेकर नहीं है, बल्कि आगे उस लंबी अवधि को पूरा करने में भी है, जिस दौरान हम वर्किंग नहीं होते हैं। आज के दौर में हेल्थकेयर सर्विसेज में बहुत ज्यादा सुधार हुआ है, जिसके चलते देश में औसत लाइफ भी बढ़ रही है। ऐसे में नॉन-वर्किंग ईयर यानी रिटायरमेंट के बाद की जिंदगी 30 साल या इससे भी अधिक हो सकती है। रिटायरमेंट के बाद के सालों में हमारी जरूरतें पूरी हो सके, इसके लिए अभी से सही ढंग से निवेश करने की जिम्मेदारी भी हमी पर है, क्योंकि रिटायरमेंट के बाद अपनी लाइफस्टाइल से समझौता करना शायद ही कोई विकल्प होगा, जिसके हम लंबे समय से आदी हो चुके हैं।

प्लानिंग करते समय ये बातं रखें ध्यान

आपको हेल्थकेयर, देखभाल करने वालों, बच्चों की शिक्षा, बच्चों की शादी और एक बुजुर्ग व्यक्ति की जीवन शैली की जरूरतों पर होने वाले ज्यादा खर्च के साथ ही महंगाई के चलते रहन सहन पर खर्च की बढ़ रही लागत को भी ध्यान में रखना होगा। बदलते माहौल में अब आप यह भरोसा भी नहीं कर सकते कि आप अपने बच्चों पर आर्थिक रूप से निर्भर हो सकते हैं। हो सकता है कि जब आप रिटायर हो रहे हों, वे अपने करियर के लिए किसी दूसरे शहर या दूसरे देश में रह रहे हों। तब आपकी परेशानी बढ़ सकती है।

एसआईपी व एसडब्ल्यूपी का मिक्स

एसआईपी: रिटायरमेंट प्लानिंग के दो फेज हैं। फंड में लगातार बढ़ोतरी करना और फंड का साइज घटाना। फंड बढ़ाने का फेज एसआईपी के माध्यम से किया जा सकता है, जो कि एक पॉपुलर विकल्प है। इस फेज में कंपाउंडिंग की पावर का फायदा उठाने के लिए इक्विटी में अपने निवेश का एक बड़ा हिस्सा रखने की सलाह है। एसआईपी ऐसा विकल्प है, जिससे रेगुलर निवेश की जाने वाली छोटी राशि आपके रिटायर होने तक आपके लिए एक बड़ा फंड बनाने की क्षमता रखती है। बड़े फंड का मतलब है आर्थिक सुरक्षा।

एसडब्ल्यूपी: अब दूसरा फेज यह कि रिटायरमेंट के बाद अपने मंथली खर्चों को पूरा करने के लिए अपने निवेश का कैसे इस्तेमाल किया जाए। इसके लिए सिस्टमैटिक विद्ड्रॉल प्लान यानी एसडब्ल्यूपी मदद कर सकता है। एसडब्ल्यूपी का भी मुख्य लाभ एसआईपी की तरह ही है। जैसे एसआईपी के मामले में हम अनुशासित तरीके से निवेश करते हैं, वैसे ही एसडब्ल्यूपी में हम अनुशासित तरीके से निकासी करते हैं।

क्या है सिस्टेमैटिक विद्ड्रॉल प्लान

एसडब्ल्यूपी या सिस्टेमैटिक विद्ड्रॉल प्लान अपने निवेश से पैसा निकालने का एक अनुशासित तरीका है। यह विकल्प रिटायरमेंट के लिए या जॉब से ब्रेक लेने के समय बेहतर काम करता है। आपको इसके लिए अपने म्युचुअल फंड को महीने की एक तय तारीख पर एक तय राशि डेबिट करने के लिए निर्देश देना होगा, और पैसा आपके बैंक खाते में ट्रांसफर कर दिया जाएगा। निकासी के बाद बचा हुआ फंड निवेश में बना रहता है और आपको उस पर रिटर्न मिलता रहता है, जिससे आपको कंपाउंडिंग का फायदा भी मिलना जारी रहता है।

उदाहरण से समझें

अगर आपने एसआईपी के जरिए 1 करोड़ रुपये का फंड जमा किया है और आपका औसत मंथली खर्च 1 लाख रुपये है, आप 20 साल के लिए एक एसडब्ल्यूपी करना चाहते हैं। हिस्टोरिक डाटा के अनुसार 1 लाख रुपये मंथली विद्ड्रॉल विकल्प के साथ 1 मार्च 2003 को निफ्टी 50 में 1 करोड़ रुपये का निवेश करने पर करीब 18% रिटर्न मिला है। फिर आपने 20 साल तक 1 लाख रुपये प्रति माह के निकासी से लगभग 2.4 करोड़ रुपये वापस ले लिया, लेकिन अभी भी 10.75 करोड़ रुपये (31 मार्च, 2023 तक) का कॉर्पस बचेगा।

आपात फंड बनाना आज की जरूरत, इससे मुश्किल वक्त में मिलती है मदद

मुश्किल हालात के लिए हमेशा रहें तैयार, इमर्जेंसी फंड बनाएं

तैयारी | बिजनेस डेस्क

जिंदगी में आने वाली कठिन चुनौतियों को आने से रोका नहीं जा सकता, पर इसके लिए आर्थिक रूप से हमेशा तैयार रहना चाहिए। हर व्यक्ति को एक इमर्जेंसी या आपातकालीन फंड करना चाहिए। इमर्जेंसी फ़ंड आपके लिए एक सुरक्षा कवच का काम करेगा। यह आर्थिक संकट के दौर में आपको बचाने के काम आएगा। इस फ़ंड का इस्तेमाल आप क़र्ज़ लेने से बचने के लिए भी कर सकते हैं। आखिरी वक्त में पैसे की कमी की वजह से आपका कोई काम नहीं रुके, इसके लिए इमर्जेंसी फ़ंड से पैसे निकाल सकते हैं। सबकी आर्थिक स्थिति अलग होती है। यह लाइफ स्टाइल, परिवार में मौजूद लोगों की निर्भरता, आय के स्रोत और ज़रूरी खर्चों जैसी बहुत सी वजहों पर टिकी रहती है। आम तौर पर आपके 6 से 9 महीनों के खर्च को पूरा करने के लिए फिक्स डिपॉजिट या किसी और तरीके से पैसे जमा करने का सुझाव दिया जाता है। यह बहुत कुछ आपकी नौकरी की सुरक्षा और कारोबार व आय की स्थिरता पर भी निर्भर करता है।

क़र्ज़ लेने से बचें

सही आर्थिक रणनीति में से एक होती है क़र्ज़ को कम से कम रखना। क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन, जिन पर बहुत ज़्यादा ब्याज लगता है, उनसे शॉपिंग वगैरह कम से कम करें। अगर कभी क़र्ज़ लें भी, तो इसे जल्द से जल्द चुकाने की कोशिश करें।इससे बचने वाले पैसों का इस्तेमाल आप इमर्जेंसी फ़ंड के लिए कर सकते हैं।

समीक्षा करें

नियमित रूप से अपने बजट की समीक्षा करें और देखें कि अपने आर्थिक लक्ष्यों को आपने किस हद तक पूरा कर लिया है। अपने इमर्जेंसी फ़ंड के लक्ष्य की दिशा में आप कहां तक पहुंचे हैं, इसे देखें और ज़रूरत के मुताबिक इनमें बदलाव भी करें।

■ कोरोना जैसी महामारी में आता है काम ■ हर महीने कुछ रकम इमरजेंसी फंड के लिए बचाएं ■ छह माह में ही बना सकते हैं अच्छा खासा फंड ■ 6 से 9 महीनों के खर्च के लिए फिक्स डिपॉजिट करें ■ इमर्जेंसी फंड का हिस्सा लिक्विड फंड में निवेश करें

लगातार निवेश करें

फ़ंड बनाने के लिए समय, लगातार निवेश करना, योजना और पैसों को सही तरीके से व्यवस्थित करने और खर्च करने की ज़रूरत होती है। अपनी ज़रूरतों और आय को देखें। अगर सही लगे या ज़रूरी हो, तो कम पैसों से भी शुरुआत कर सकते हैं और धीरे-धीरे अपनी बचत बढ़ा सकते हैं। इमर्जेंसी फ़ंड को आपको किस ज़रूरत के वक्त इस्तेमाल करना है, हमेशा इस पर कायम रहें. मौज-मस्ती या फ़िज़ूलखर्ची के लिए बिल्कुल भी इस्तेमाल न करें। छोटे और आपातकालीन खर्चों के लिए हमेशा खुद को तैयार रखें।

क़र्ज़ लेने से बचें

सही आर्थिक रणनीति में से एक होती है क़र्ज़ को कम से कम रखना। क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन, जिन पर बहुत ज़्यादा ब्याज लगता है, उनसे शॉपिंग वगैरह कम से कम करें। अगर कभी क़र्ज़ लें भी, तो इसे जल्द से जल्द चुकाने की कोशिश करें। इससे बचने वाले पैसों का इस्तेमाल आप इमर्जेंसी फ़ंड के लिए कर सकते हैं।

समीक्षा करें

नियमित रूप से अपने बजट की समीक्षा करें और देखें कि अपने आर्थिक लक्ष्यों को आपने किस हद तक पूरा कर लिया है। अपने इमर्जेंसी फ़ंड के लक्ष्य की दिशा में आप कहां तक पहुंचे हैं, इसे देखें और ज़रूरत के मुताबिक इनमें बदलाव भी करें।

लगातार निवेश करें

फ़ंड बनाने के लिए समय, लगातार निवेश करना, योजना और पैसों को सही तरीके से व्यवस्थित करने और खर्च करने की ज़रूरत होती है। अपनी ज़रूरतों और आय को देखें। अगर सही लगे या ज़रूरी हो, तो कम पैसों से भी शुरुआत कर सकते हैं और धीरे-धीरे अपनी बचत बढ़ा सकते हैं। इमर्जेंसी फ़ंड को आपको किस ज़रूरत के वक्त इस्तेमाल करना है, हमेशा इस पर कायम रहें. मौज-मस्ती या फ़िज़ूलखर्ची के लिए बिल्कुल भी इस्तेमाल न करें। छोटे और आपातकालीन खर्चों के लिए हमेशा खुद को तैयार रखें।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रमोद कुमार शर्मा के लिए पूजा प्रिंटर्स सी-4, सुदर्शनपुरा, इंडस्ट्रीज एरिया, जयपुर से मुद्रित एवं 23, गोपी नगर, नियर कुकरखेड़ा मंडी गेट शरद कांटा गली, मुरलीपुरा, जयपुर से प्रकाशित किया जाता है। संपादक प्रमोद कुमार शर्मा। पत्रों में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक एवं प्रकाशक की सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा। संपादक : प्रमोद कुमार शर्मा, मों. 8504812999 ई-मेल : Viksa.pramod999@gmail.com